THE STORY CHARMENT OF JUBBA A GOOD TENSORY, SPANTI I

NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA

THE STORY CHARMENT OF JUBBA

THE STORY CHARMENT OF THE STORY CHARMENT OF JUBBA

THE STORY CHARMENT OF THE STORY CHARMENT OF JUBBA

THE STORY CHARMENT OF THE STORY CHARMENT OF JUBBA

THE STORY CHARMENT OF THE STORY CHARMENT OF JUBBA



.Je. 82.3.

R SAGE BOODES

VISWONAFH TURKALUNCE

TRANSLATIO INTO CENGALKI

KASHEE NATH TURKOPUNCHANUN.

শহবিগোধনক

म्।बद्दानाय,प्र. नुतिश्वार्थं वर्धानकाव्यक् वैद्यान

कृत्यागतिसम्बः ।

विकारीमाथ धर्मीकानगरेट वर्गातार्थ नाम्बादः सन्पूर्

চারমুক্তিকার: বিদান <u>বুমু</u>ারতে মৃত্যুদ্ধ ঘটন 🖯





#### पुरवंग्रद्धां वर्गा वर्गाव

### মতুৰি গোতমক্ত নীয়ংসঁয়।

न्तिक्षितान वर्षा नंत्रात कृत करान काराजावर्द्धाः

আহিচাবত গুলনিবলৈ প্রকাশীনার ওর্জনভাবে ত্ত, প্রত-বেশ পুর্নাত গল্পাবা হচিত,নিভার মুক্তীবদী বছত, ভ্রারার্ড্র শারন গুলু ।

### पुरुनाम भनार्थ (कोगृनी ।,

ক্ষিকাভা নগরে নিগব পুশুষরে বালালা দুব ১২২৭ পালো। মৈন পালে হ ভাগীকে দুবিক হবল।

त्या (पृथ्क गांव गांवि, विता त्याथ मृद्ध्यानी श्राह श्राहकार गृह्य होय। गृह्य द्विक गृह द्व्य , त्रावाह मांवह त्याह , द्वाह प्राह्म व्याह होया। गृह्य द्विक गृह द्व्य कार्य मांवह त्या यात्रीशिया । विवस विवद्ध कार्य, व्याह ह्या याद्रीशिया । व्याह व्यह व्याह व

পুলাণ, পুলের, কশায়, পুলোজন, বৃটাত, বিভারা, ধ্যরুব, ভর্জ নিবর, বাব, কয়, নিত্তা, হেছাতাক, হল, আডি, নিগুত, ধানানাণ, ভত্তানালিয়েশুরুবাং ধিগম ইতি গোডাম ক্রেন্ডা

্পুয়াৰ পুমেন্ত্ৰীপৰ, বাব কল্প পুয়োজন, ব্টান্ত শিক্ষান্ত কৰ্ম ছন। বিভগ্ন কাডি সম্পন্ত, অবয়ৰ বিনিৰ্ণস, হেলাভাস বিগ্ৰু ছেব কুল।। ধৌতম কৰিড নেই, যোজপ পৰাৰ্থ এই, কহিলান ভানিবা অৱশা ব্যক্তি ভাষা পরিক্ষেকে, মুদ্রাদি পৰার্থ লেসে, ভাস लान क्ल अलाहती साम्बादचार लाहि, कर्य कालीवार कारे, केल नाम क्ल अलाहित । लाला अहिटाइन निष्ठ, केलाहि अहमक्ष्, नर्य जाना क्ल टाक संसा कहि न्हीं भार केलाहित सहार कार्य भटकर एवं बारि। लाहिटन कार्या बार्य, अवकारत चार्या हर्य, क्लि बाल अहार रहीक्ला, बार एवं एवं स्वादकार, कहिता कहना बाब, रोहन कहिया भूक दक्षि। विरोध बहन क्या, क्लानू या करह स्वादा, न्यर्टा हिन्द विभूक्ति।

भुमात रक कार्र बीहात द्वाब भुषान है स्वर्ह भुमान गति. भुजात ब्रज, शुक्रांक, चनुष्ठान, উर्णमान च शक्त । अक्षारन शुमा शरक्क अर्थार्ट-चन्नर चलनर चाला काल च्हिरति का तुधा कानारि भारत बंद् भुकार करियु । वे कारत भुरोरत भारत-भूतेति विवत ভারতারু নতেবিত্র পুরের পর, পারিভাবিক ও প্রভাবি পরের न्त्राच द्वांत्रक एवांत्र विद्धां कांत्र कन्त्र वानता वहल-वजात्त्रक কারণ যে প্রধান জান ভাব্যর নাশক যে আস ভাহার যে বিষয় काहात नाम शुरमता त्यूर भुत्मत, वार्तके भुनीत वत, जीवा, महोत, हे मुद्रा, बार्ब, गृहि, मनः, भुवृद्धि, त्याव, लुँडाकाव, कब, मृन्य, ও অপবর্গ। বহিরিশ্বির মাজের গ্রাহ্য বে পৃথিবী, রণ, তেতং, बाब, रा बाकान, वह नंबबुरदात विस्ताय गुन बाहात नाम वर्षा त्मरे वर्ष, नक नुकार एए, तक, रमामनी, सर्ने क नवा दर नेतृ-कित करक रहे छ।हात मांघ त्याय । त्येर त्याय, विमें भूकात हत, बाध, त्यूत, ७ त्याए वे अधानवत महत्र भारत्यानवत ज्या, हेरांत লাম লেডাভান । ধর্মাধর্ম পুরুষি করে। বৈ কর্ম উছোর নাম কল । तारे कन, बूहे भुकात एवं, प्र्या थ लोगा प्रवाहकन नेय गुराबद हैन:चार्त, रतीन कन, महीडामा । मुश्लेन कुछाड निमारमा नाव অপনগা। কৰের বিনাপ বিনা ভারাে° সারব হয় লা। অপনর্গেরই নামান্তর মূজি। তথ্ বৃত্ৎপ্রাজির কথার নামুবান। জিনিনীনু ব্যক্তির কালে যাথ জন্ধ। লাভাকে উক্তেশ, কহিলা পুরুদ্ধি হত

वर्षाचे भूत्रवित्र कारण त्य हैका आराह विकास रोज पुरस्कात নিবি পুরিবারিক বি ক্রানে লাগ্য লাগনের কিবা নিবিং নাংলা কানের निफार पत्रे सारे हात, वृक्षांत एवं १ अस्ति वृक्षांत, वृह् भूवार यह অহার ও ব্যক্তিরকার পর্যত পঞ্জ, বৃদ্ধি নাম্য, মুম হেজু, ইউয়াক क्रण सहात्रगाति, जक्ती वृद्धान, त्य अस्तु महावतन वाँचु क्रिया নিশার হয়: এবং জনজনারি, বা,ডিরেকী ন্টার, বে হেকুলি শন্তার বহি গুলভাবের নিক্র গুরু। পার্রারের বে নিক্র ভার্যার নাম-বিষয়ঃ লৈই বিভার, দাঁরি পুতার চুর, বর্ম বস্কু, বিষ্কার, পুরিকটী निकार, व्यविकान निकार, अव्यक्तानमधे निकारी। वासी ७ पृति-নারী এই স্ট্রভারে সম্ভর বে নিছার বুহোর নাম নর্ভার নিছার। राधन नेपालन कार कर्न्। नानी च नुविनादी ग्रेमान नामस्तुवक বে বিভার তাহার বাম পুতিতই বিভারী থেমার মামা-ইকের-বিন্যে প্ৰে নিভাছা যে অর্থেচ নিছি বিনা বে অর্থের নিছি হক ना काराह बाब कविकान निकार । त्यान भृतियोह कनाव निवि विमी वेचात काराह कर्द्र निक्षि रहुना । नृत्व नामार वानाह বে বিষয় জাঁচাই খাঞ্চারেড়ু জাগক যে বিশেষ ধর্ম কথন কংচার, যায় অভুগোম নিছার। বেমন মনের ইপিরস্থা তত্ব জান রহিত অৰ্থাৎ অনিশ্চিত বে অৰ্থ ভাষ্যতে-কারপ্লে উপপাদন বারা বস্তু মিৰ্বরার্ড বে আপত্তি ভাইছের নামভর্ক। বেমন মুদ, যদি বহিনু ব্যভি-हाती एक करेर वर्षि, सम्बन्धा इतिक. जरा शहक विक्तित्र है। इस करन বিশ্বে ছাউকু ইখ্যানিঃ মুম, বহি বহিন্ত বর্গিটাটো হর চতে বক্ষিকরঃ वा र्डेक् वरे सर्वत्त श्रम वित्तित्त्र विकाद नेकात विद्रान हुन, পশ্চাৎ মুমেতে বাছির ব্যান্তি জাব ইয়াপশ্চাৎ সন্মিতি হতা বকার ভাষ্ণারেরে অনিষ্টাভূত অর্ডের, কল্লনার ভারা যে'বোরাভিয়াদ कामात माश्रह्मा । त्यार शुरे लाख जानान लनश्रेत चानड व्य ब्लाकु नरवेक्तनरह और कारत तर गुन्था। और वार्धत विक्रमात ধানা ইতার স্বস্থাকে কলে কোবার,এই দোব করনা দেই ছাস,

তিৰ পুৰার বয়, বাক্ত্ৰ, নামান্তেল ও উপচার হব অবিলৈ-त्व कविक, त्व को काशांति वकात वानिकाल्य विद्यार्थत कहाराई ৰায়। তে বেহি।তিখাৰ কাহাত নাম বাক্হল। পুনন খেতাৰ্থাৰ-লাৰ ছইতেছে এই অভিপুত্তি খেড ধাৰ্মান ছইতেছে এই পুরেকি করিলে খেড গুনুধারমান ক্টতে পারে না এই বেকে করুব ৷ সামাবাধিকারে করিত অর্থের অবক্ষেরক্ষেত্র অর্থ কল্পার বারা বে লোখাতিখান তাহার নাম লামানগ্রুল। যোগন भीर द्राञ्चन विद्वारोहरून नेप्रस भारे क्या कहिएन धारे वर्जक द्राञ्चन बादक विश्वानत्त्र नक्षिक नाथन कविरुद्धाः अहे कक्षमाह स्थात ৰুষ্ট্ৰিশু মাজে বিৰাজিল বৃদ্ধলি বাধন ক্লা বায়না হৈ ছেতু বুভিচ ब्राक्कुर्स्ट अधिगात एक अबै रिशेष अधन । और वृत्तित पाता नय পুরোর করিলে, অপর বৃত্তির ভারা যে পুভিষেধ ভাছার নাম উল-हात्र इत्रा. त्यंत्रत व्यवः भृतित् भक्ति पाता व्यापि तिन्। ३२ পুদ পুরোধ করিলে এই পুত্র অমুক হইতে, উৎপত্ন অভ্তর कि तरन निक्र इस बोरे भुटिस्त्य अवन भीन शास्त्र नक्षमात साता बीन बड़े बह भय भुरताश कहिरण बड़े कि हर्रा कोत हम हह এই পুরিবেখা পরমত ওপ্তনের নমি বিভটা। কারি, সম্পন্ন অবর্থ, নির্ণাণ্ড ছেড্রাজালনাই সকলের লক্ষণ ও উথাছরণ পালাব ব জ হটবে। যাহাতে পরাক্ষ হয় কছোর নাম নিগুছ্তান বেই বিগুহ্ছানপুতিভানি, পুতিভারর, পুতিভাবিরোখন হেড্রর, অর্থান্তর, নির্থাক, পুনক্তি, ও অর্থতাবণ ইত্যাদি নারা পুতার स्य 1

#### निर्घ है,

-Zarine	नंद	113	नुकार ।	শয় "	শাই
Material de Mari	1	30	অপূৰ্বিভিত্ৰ লাগৰ	-	V
मुरदाबु विकास	4	76	গ্ৰণবিধির শক্তর	35	U.
eres frais-		34	भारदर्श भक्ष	91	XII
पुरसाम अकर	4	55	नवारकंड रिकार्स	€.	4
का बांक विकास	4	10	भूगारकत कहन	iù.	38
बर चंद्र संस्थ	4.7	. 1	(भौकिक मुंबारकत सांगरत	44	M
कादारगाह विश्वात	*	15	অনাকিম পুত্রকো বাংগার	E W	•
<b>अक्षानाह सम</b> क		4.5	লামান্য লক্ষ্যা	10	39
frem multig femme	*	. 4	জাৰ স্কৰা	43	3
munip mittuff eifene		to.	ार <b>ा</b> री∎	43,	
कारण्य भागार्थं है जानन		14			
व्यक्तीय नेपार्थंड्र सक्तन ३ विद्या	ST W	- 1	नंतरंगरचीर सकत	La	54
नव <b>ानांको</b> सामग्री बधन	9	M	नशर्दित संस्थ	48	50
किर्गहरश्वन लक्ष्य	5.0	5.0	অনুবিভিত্ত কর্ম ও ব্যাপার	44.	56
कांत्रर अद्गारिकांश	33	4.5	नरंकप्रत गर्मन	24	•
क्षतार्था निवित्र निकास,	19,	11	शान्त्रकड मकर	26	100
শুৰঃ লাটাৰ্যা কথক	3,8	30	অল্ডেক্ সম্প	14	
देशकार कथन	36	50	राष्ट्रभाज सक्न	44.	11
म्यादिरमध्य समितिरां कथा	1 No	29	শক্ষকরে বিৰপ্	61	4.0
शृक्षितीय निवसन	20	1	ग्रासित समिन	90	1,1,
অধ্যে বিজ্ঞান	A.	#*75	रक्ष्यां विद्यात	26	•
रकरवात विकास <b>ः</b>	1,0	W	-		
राष्ट्रव निवनंद	3.0		क्रामिहिङ् बीद्ध व दशकात्र	4.0	581
minicus fane	1,2	*			
कारणत शिक्षां।	3\$	- %	भीक्रवार्यक्र क्वन व व्यक्ति	43	55
शिरकत विकास	10	3+	न्द्रिक् मध्य	ትት	<b>k1</b>
জাবার, দিকণ	50	30	শক্তি জালের জার্থ	14	53
युष्टित निकास	-	71	ंत्यीतिकापिनायत्र विकास	44	•
epriver whe	41	*	मक्तरहा मान्त	SM	24
पुरस्काः सम्ब	41	<b>₩</b>	ব্যৱস্থ বাসৰ	-	

The same	19	শক্তী	नुकार-	প্ৰ	53
MINES.	14	14	CHESTAL MAN	994	18
retirem .	1	14	पर्ध	334	4,0
where	64		क्ष्मारिक संस्थ	13	13
MANUAL TO SERVICE STATE OF THE PARTY OF THE	-6		হৈৰেছিক ব্যৱস্থ পুকাৰ	383	4,0
		-	यां निकास प्राथित अस्थ	No	1.0
APRICATION	94	31	व्यागितिक निकार	184	16
Germitife (Ports	*	20	State Plants	14.6	N.
Parent de	30		पूर्वप्रः विकास	414	Č.
व्यासाम्। स्थ	10	36	Exis fewer	514	
প্ৰকাশ্যবৃত্তিৰ লকৰ	54	1.0	other (Same	160	39
Arres få uma	14		संक्ष्य विकास		
mrgg (fearle)	160	×	पुर्वित्र कहिन	101	100
pres frent	21	5.	বিষ্টিয় করেন	5.05	
बारका विकास	33	465	कीशा त्यांनि बरपुत्र निका	16 303	33
meds front	14	34.0	क्ष्मरवह निकर्तनं	505	1
Mental Provide	300	*	gireng ffimie	105	1.0
Marieis frame	34	- 1	iffen Pierte	100	8,0
नुष्रकृत विकास	200	14	ल-कारहर निक्र	148	3.8
बान्द्रहारचंड्र शिक्तक	549	55	व्यक्तरसङ् क नुवाधिकारम		
Partery Plant	54%		कार क मालाह	145	1
पहच 4 कामरसह विश्वास	-	30	-	244	
कारन ह विकास	320	4	Carlantes Can	606	16
अर्थुशीह संसन	110	10	sectator some	100	53,
शिल्डा संबंध	233	161	वापूरक्षा (रेकाल	1-01	+38
SPORTER NAME	257	11	Storie May	101	4,5
रिकार्यकाम्ब (१४४)	228	174	Benin Anbe	The	
मध्ये गृहे	5.8	4	mittelle Philite	343	1.0
mentione and	112	34	mitteln Jase	Mr	- 4
provide miles	114	70,	ENTREE MAN	782	•
क्यूना व गुनाव स्थाप	358	20	क्ष्मीहर्मगाएक कांत्र	242	•
THE LAS	174		नीरपुत्र विश्वासारि	380	20

### ্ন্যায় ধর্মন। ভাষা পরিছেম।

মুমুক্লোকের দিগের পরিমমোজের কারণ পর মাঝার তত্ত্তার তাহার কারণ পর মাঝার মনন লেই মনন পদার্থ পরমাঝাতে তাহিকর তারণ পদার্থের তেতের অনুমান দেই অনুমান ভালুল তেনের পুরিমোগা যে তাকণ পদার্থ স্থান্থর জ্ঞান ব্যক্তিরকে ছর না যে হেছ অভাবের জ্ঞানে পুড়িযোগির জ্ঞান করিণ ক্ষতনত্ত্ব পদার্থ নিরপণ আবশ্যক এই ছেন্ত পুথমত। নৈরায়িক ও বৈশেনি-কেরিকিনের বিচারসক্ষত তাবণ পদার্থ সামান্যরূপে দর্শন্ত কুরাই-তেত্তিন ।

> म्बंद्राक्त काचा वर्त्ते साम्यत्व समिवेषकः। समस्यम् काचान्त्राकः प्रदार्थाः सम्र सीविताः ।

দুব্য: গুণা গুণা কর্ম সামান্য: সবিশেষক:। সমবায় গুণাহভার: পদার্থা: সপ্ত কীর্ত্তিতা:।

পুৰাঃ গুণাকৰ্ম শামানঃ বিশেষ সমবায় গু মঞাৰ এই সাত পুৰায় পৰাৰ্থ সামানঃমণে তহিছাছেন ভাষাৰ মধ্যে কোন প্ৰাৰ্থ কও পুৰায় বঁটা ভাষা পালাও কাহিছিল। এবং সহলৈছে অভাব প্ৰাৰ্থেই কথাৰের যায়ে কাহে সামানঃভঃ যান ও ভভাব এই দুই পুৰায় পৰাৰ্থ ভাষায় মধ্যে দুবঃনি হয় ভাষা পৰাৰ্থ কুষ্য পৰাৰ্থ কুষ্য পৰাৰ্থ কয় পুনায় ভাষা হোগে বঃকে ক্টৰে এইছল কৰ্ম কুষ্য ক্লিয়াছেন। া নমুক্তি নার পাহার্ডের প্রয়োগ কোন' পাহার্থ কন্ত পুকার কয় ডাহা কামে ক্ষিতেয়েনে ঃ

> चित्रभाष्ट्रिके स्व द्वीसं वावर्द्यु विकास्यः । विकास्य क्षा स्व इस्तास्य क्षा सर्। चर्मः संन्ता स्वृद्धितिः स्यक्ष ततः परं। संग्रेस्य विभागम् सरस्यः इयस्यः। वृद्धिः स्व दः स्विकः वेश्वेष्ट्रीः गुक्तवं। स्वत्येष्ट्रसंख्यारावश्यक्षेत्रस्यं स्वव।

ক্ষিত্যংগ্ডেকো নক্ষ্যোক কালনিংশ্ছিনোননং।
দুব্যাণ্ডংগ গুণাকুপং রসোগদ্ধতাতঃ সারু:।
সার্থা সংখ্যা গরিমিতিঃ পৃথকুঞ্চ উতঃগরং।
সংযোগত বিভাগত গরস্কাহগরস্ক।
বৃদ্ধিঃ সুথং দুঃখনিছা হেষোংগ্রেছকং।
দুবন্ধ বেইসংকারাবহদ্ধ শৃশ্ একঃ।

णृथियी जान एडण्डः शहू जाकाण काल निक् जाद्या छ जार वहें जा पूर्वात नुवा भवावी जार काल तम तक हुन न जात छ जात वहें जावा भवावी जार काल हुन न जात हुन न जात भित्रात भ्रम् जात हुन न जात हुन न जात काल विकास भ्रम् जात जात हुन हुन हुन हुन जात हुन

লক্ষণের অধ্যান অব্যান্তি। অন্যান্ত লক্ষণের বামন অভিব্যান্তি। ক্ষণান্তির বামনিক্ষণ করাবার ক্ষণান্তির লক্ষণের অধ্যান অন্যান্ত্র বামনিক্ষণ তাভিত্র আনক্ষ্যা। উপের সক্ষণান্ত্র পুরুষ্টার ক্ষার্থিন প্রত্যাক্ষ পুরুষ্টার ক্ষার্থিন। প্রত্যাক্ষ পুরুষ্টার ক্ষার্থিন। প্রত্যাক্ষ পুরুষ্টার ক্ষার্থিন। প্রত্যাক্ষ পুরুষ্টার অপুরুষ্টার বিশ্বান প্রাণান্ত্র ক্ষার্থিক ক্ষার্থিক।

কলৈর বিভাগ করিতেছেন 🕽

उत्तेषडं तथे शक्यकमानुबनन्तरे । प्रसारणय गमनं वर्धार्णकानि प्रथय ■ शमकं रेचनं शान्द्रती कूं ज्वतन मैंवय । रित्यंगम्मामार्थं च गमनादेव ग्रद्धते ॥ उट्टाक्रमार्थं उट्टा क्रव्यक्रमायाक्रकमानुबन्धाः । भूमात्राक गमनं कर्याराऽज्ञानि शक्षाः ॥ भूमात्राक गमनं कर्याराऽज्ञानि शक्षाः ॥

তিথারীমনমাইপাই আ পামনাটেনক পুইটেড ।।
উৎজে লে করা লাই জেল করা সন্মিত করা বিষারিত
করা ও চরতের নিজেপানি এই সকল আর্থ করা জন্ম উৎজেপ্রলাই শরের খানিকাই এবং ভূমনাটেনক সামন উপ্রানন ও ডির্যার
গ্রমন এই চিটে পুকার কর্ম গ্রমনের অন্তর্গত হব। সংস্কান শরে
র্গের গানি উন্নালন পরে তেজের ইতি ডির্যার্গ্রমন পরে আরু

গতি ৷ বেপ বিশিষ্ট লুবে সমবার বছকে বর্তমানখন পদার্থ বিশেষ কিন্তু পঞ্চম কণ বৃত্তি গুলারর পুতিবোগী মেঁপদার্থ তাহার সাম্প্রকার প্রথমতা অভিযাত কিছা নোহন হেম্বম কর্ম করে পশ্চাথ বিভাগ পশ্চাথ পূর্ব সংযোগ নাম পশ্চাথ উত্তর সংযোগ পশ্চাথ ক্রিনাশ হয় ফুলেব কর্ম পঞ্চম করে বৃত্তি পুতার পুতি-বোগি হর পুত্রক কর্মে পুত্রক পুমাণ অপুত্রক করে অনুমান পুমাণ!

লমেনেঃর-বিজ্ঞার করিকেছেন ।

सामानं, विविधं वेतां प्रस्तावारमयम् । भवादि विकाशिका सामावरत्योत्वले ॥ मर्शाभुकाच् या जातिः सैवाउपरक्षयेत्वले । मयकादिक मातिस्तु प्ररागरत्योत्वते ॥ वायकतात् प्रराजिकाकाच्यलाऽदय्याउपित्र ।

লামান্য- ছিবিছ- প্রেক্তি- পরকাদ্পর্মেবচ।
দুব্যাদি ত্রিকর্বভিত্ত সভাপরভয়োচ্যতৈ।
পরভিদ্যাত যা জাভিঃ সৈবাহপরভয়োচ্যতে।
দুব্যহাদিক জাভিত্ব পরাহপরভয়োচ্যতে।

ব্যাপকরাৎ পরাহপিস্যান্ডাপ্যস্থাধ্বপরাইপিচ।

সংগালঃ গুরু পুজার ইর পরাও অপর । পুরু গুরু ও কথা এই ভিনে বর্ত্রগারী যে সভা দে পুরু কাগানঃ হর বেছেন্ কেবল কুর্যাদিব্রি যে পুরুজাদি আভি তাহা অপেক্ষা সভা ব্যাপিকা হর মুন্ত সংগ্রুপ বিশ্ কর্ম সং এই গজন পুতাতি সভা জাতির পুনাব হর। লার সংগ্রুপ গ্রেপ্টিয়ারি জাতি তাহায়া অপর নামরের হয় বেহেজু প্রিথীড়ারি জাতি সভা,ও বুরুজাবি লাচি

অপেকা ক্রাপ্র হর। দুব্যছারি আছি পরবাহান্য ও অপর সামানঃ হয় বেহেতু পুৰুছাৰি লাভি পুৰিবী**ছাৰি লাভি লগেলা** ব্যালিকা এন সভায়টে অপেকা ব্যাপটা হয় ৈ বে<mark>পীবিকৰ্</mark>য়ৰ बारक त्विशासक । त्व बहुद्दारन बारक त्विशासि । विदेश व्यवह গমবার সহবে অনেক আপুরে বর্তমানু বে পদার্থবিধার লাম দামান্য । দামানেরে নামারর জাতি। দুবঃস্থানি তিন ক্ষ:ডি হর দায়াব।বাদি দায়ি উপাধি হয়। প্রিবীভাদি বকলেই জাতি কেবৰ আকাশত কালত 🗯 হিন্দু এই ক্ৰিব উপাৰি 🖁 -রপরায়ি ও উৎ**ক্ষেপণ্যায়ি» নকলেই আ**তি। সুক্রায়ি সকল আতি ও সন্ধৃথের সন্ধৃ রেহেক সুবৃগ্মিহি সকল আতি বিজ্ঞা এবং, সমবার সহছে অবেক আপুরে বর্তমানং হয় ৷ সামান্ডাহি উলাধি অলক্ষ্য যেহেৰ সামাৰ্যবাদ উপাধি সমবার সমুদ্ ৰৰ্জদানশহৰ না ৈযে পদাৰ্থ কেন্সমূদ্ৰে বৰ্জমান হয় ভাছা পুশ্চাৎ करिया नवनाव नवृत्य चान्यक चेलुएव वर्षकीय (य क्रम) नारपा-বাদি তাহাতে অতিকাতি বালগাখ নিত্যুপাৰ (নিত্যু এবং সমবাল বছনে এক আপুরে বর্ষান যে আকাপের পরিয়াগারি ভাষাতে অভিব্যান্তি বারণার্থ অনেক পদা। নিভঃ এবং অনেকজাপুরে বিলেখণতা বছনে মৰামান যে আডগ্ৰোভাষাদি ভাষ্যতে অতি-ব্যাপ্তি ব্যৱশাৰী সমীবার শাস্ত্র এক মাত্র বৃত্তি ভণ্যটন্তাদি কাভি নহে অতএৰ ভাষাতে অধ্যাধির আপত। করিকা না। এ ব্যব নিডা পরে মুখনের অপুক্রিযোগী কিয়া প্রাথকারের অপুডিযোগী যেহের অন্যত্তের হারাই শংশ্রাগাধির বারণ হয়। পুরুজ ৰাতিতে পুত্ৰাক পুনাৰ অপুত্ৰাক নীতিতে অনুমান পুনাৰ চ

পরমার সকলের পরস্তুরক্তেরক বিশেষ প্রার্থির নির্দাণ করিডেকেন I

अस्तीर क्रिज अवहाँ न विदेश वर्गेरवर्रिकः ॥

## আছ্যো নিত্যদুব্যব্ভি বিশেষঃ পরিকীর্ভিত: 🏾

আন্তঃ অ্থট সম্বায় সমূহে নিড্যসুব্যস্তি বে পৰাৰ্থ ভাহার মান্ন বিশেষ্ট অন্তঃপৰে মহাপুলয় পৰ্যান্ত কায়ী অৰ্থাৎনিতঃই কন্য ভানপথার্থ সকলের অন্ধিকরণ কালের নাম মহাপুনয়। নিতঃপাদে ধুপাঁ ও পুাগভাবের ১৯পুডিযোগী অর্থাৎ উৎপত্তি বিশাস রহিত ৷ জন্য পলৈ উৎপত্তি বিশিষ্ট ে প্রমণ্ডে সমবার-সমূদ্র বর্তমান বে মূলুক ভাষ্টতে অভিব্যাপ্তি বার্থীর্ম অন্তঃপদ । মাভাবস্থাদিতে অভিব্যান্তি আরঞ্জ নিভ্যনুত বৃত্তি এই ভাগাে অন্য দুব বৃত্তি তদ্ত-উত্তানিকে অভিযন্তবিদ্ধ বার্টণার্থনিত্য লগা। নিতঃপুর বৃত্তি আকাশতাল দিনত অভিবঃভি বাসন্মৰ্গমধায় কছনু কুখন ৷ এবলখন পুল এই লক্ষণে আঁত্যস্থ কাডিতে ও আৰুশাগ্ৰির পরিমাণান্তিত অভিব্যান্তি হয় তবাপি জাঙি ভিন্নও নিতঃ গুণ ভিন্ন এই দুই দলের খারা বারণ করিবা ৷ খট পটাদি ভাবন্ধুর অবহরের ভেদে পরস্তরি ভেন জান হয় অবয়ত রিহিড পর্মাণু লকলের পরল্পর তেন্তানার্থ বিশেষ পদার্গের স্বীকারে,1 দেই বিশেষ পদার যোগির্গাদগের পুড-ক্ষ পুনান নিম্ব হয় যদি যোগিনদিগের পরিমাণু পুড্যকে পুমাৰ না ভাবে তবে অপুমোদিক হয় !

मध्याय लक्षां मनने अनुवाहे छित्हता।

घडादीनां कपालादी दथेषु गुरुवसीहो। १ सिपुँचतिस सम्बन्धः सम्बन्धः प्रवर्गिततः ॥

হটানীনা- কপালাদেই দুব্যেষ্ঠ গুণকর্মণেঃ। তেবুজাতেশ্চ সমক: সনবায়- পুকীর্তিতঃ।।

অবয়বেরত অবংগির ৪০বাস্থ্য ওপের ক্রিয়াবন্তে ক্রিয়ার নিতঃ পুরেচ্চ বিশেষ প্রার্থিন এক পুরুচ এগ ও কর্ম এই,ভিমেতে ক্রাভির যেসমুখ্য সেই সমবায় । এ ফেবল সমবায়ের পরিচয় সাতা। নিতঃ

আৰুত বিংশবণতা বছৰ ভিলাতে বৃত্তি নিয়ামক এক বছত তাহায় নাম সমবলৈ এই ভাজার সঞ্জন লৈবেগা সম্ভূত অভিব্যান্তি মারণার্থ নিত্যপদ ! বিশেষণতা সম্বত্তে স্মৃতিন্যান্তি নার্ম্বার্থ বিশে-ৰণতী ভিন্ন এই ভাগ ৷ আকাশানি বৃত্তি আকাশানির ভাগানতঃ অভিবটিতি বারণার্থ বৃত্তি মিকামক এই বিপেবণ ট ভারাজা, সন্থয় ৰ্ভিনিয়ামক নাছ । পয়স্কানস্থকে অভিবাস্থ বালোৰ প্লক পদ। লংবার লয়তে ভ্তলারিতে ঘুটারি ঝাকেই বিশেষণতা তিন পুকার হয় জালিকা বিশেষণতা দিক্তৃত বিশেষণতা ও দৈশিক বিশেষ-नका । का.म कारिक दिलावनका न**बरेड नक्म** व**रेड** दीएक) दिएक ব্ভিত্ত বিংশবণতা সহয়ে শীকল বস্তু খাকে? বৈশৌক বিংশবণতঃ ৰুৱা পুজাৰ অভীবীয় বিশেষণতা ও বছপু বিশেষণতা? অভাবীয় বিশেষণতা সমূহে অভাবে থাকে ৷ ৰঞ্গ বিশেষণত্তা সমূহে মুমাণ্ড-লিভে গৰণভাবি থাকেঃ ভালভাৱ লাগুড় আপনি আগনাহত বাকে। পরস্কা সম্বন্ধ ঘটবাদি ভূতকাদিতে থাকে। এই কলানে ঘট জুংছে এই ঘটে ফুটুর জ্ঞাহে এবং এই দুবের ওপজাহে ঐতর্যাদ পুড়ীতি বমবু।ক্তে পুঁমাণী বমবার গলবু এর ক্টকেও হারুডে রূপের অভাব পুমুক্ত ভাছাটেকপথভা নাবে হয় ন। যে ংছভ ব∖যুলে ক্ষেত্ৰল সময়ত্ব স্থাকিকেণ্ড এপায়ে সময়ে নাই 🛚

অভাব পদ্মৰ্ক্তে ডিজগা ক্রিভেছেন }

कभावका विका संसमेशकी वाक्यान श्रेटतः। भागभावै काष्ट्रा असारकारकामान स्वक। यथं वैविक सामकः संसमेशभाव स्वती।

অভাবতু বিধা সংসর্গাহ্ম্যান্যাহ্ডাব ভেদতঃ। পুলিভাবতথা ধৃংসাহ্প্যহ্ ভ্যন্তাভাব এক। এবং বৈবিধ্য মাপনঃ সংস্পৃত্তিব ইব্যুক্ত।

ভাৰ পদাৰ্থ ভিন্ন ৰে পদাৰ্থ ভাহার নাম থভাব দেউ । **থভা**ব **দুই পুকার সুনুর্গ।ভাব ও অনে**গ্রনগ্রভাব । অনেগ্রনগ্রভাব ভিন্ **ৰে, অন্তা**ন দেট সংস্থা,ভাগ গেই সংস্থাতাৰ ভিৰ পুৰুৱে भूमाकार कृत ७ सहाहोतात । लुहिस्यामित सेस श्रेरंग स्ट আছাবের নাশ হর বেটা পুলিভাব । জন্য যে অভাব নৈই যুগ্দ মিডঃ যে সংস্থান্তাৰ নিউ অভ্যন্তাভাৰ I এই অপানে ঘট হুইবে ইন্ত্যাৰি পুতীতি প্ৰাণভাৱের প্ৰয়াণ। এই কপালে ষ্ট নইট হট-রাছে ইভ্যাবি পুটাতি যুগদর পুমান। এট ভূচনে ঘট নাই ইন্ডঃটি পুঁড়ীভৈ অভান্তাভীবের পুদাও। ভাষাত্ব্য বছৰু।বহিত্ৰ পুরিযোগিরকৈ অভাবের নাম অনেগ্রন্যভাব ে ঘট পট-**इतिरक किया जातः यहाँ लागे मरहा दिखार्गन मुठीकि सर्वारामहा-चार्त्त्र भूषान्। भूँदिन प्रश्ठ चनै।**वित्र व्यवश्रीचारदेत भुविधाशी ভিন পুজার ঘটালি ঘটালির মৃণ্দ ও ঘটালির পুার্গভাব। ঘটের व्यक्तक्राकारमञ्ज्ञातमञ्जूषि विषय यहे साम मुख्यिम् हेर्ड (क्रांतः **ঘট ধ্বান কামট** পুগৰভাৰত হক্ষ। যদ্যলি যে অভাৰ যে অনুভৱনে থাকে বে অভায় দেই অধিকরণের করণ হয়, এই রণ বলুরাডে লাখৰ পুৰুক অভিহিক্ত অভাব পদাৰ্থের ৰীকায়ে পুলাগাভাৰ কৰাপি নানা অধিকলপের বর্ষণ কল্পনা অপেক্সা অভিত্রিক অকাত পদার্থের দীকারে যে লাঘর দেই আকার পক্ষার্থর পুদান হড় 🛊

ইবানী- ন্কল লগার্থের সাধর্ম্য ও বৈধর্ম্য কহিতে আরম্ভ করিকেছেন ।

समामाश्रीय सामुर्ग चेयलादिव गुणते । वर्शानामक्ति वाक्या (समग्रीमिक पूर्णक)

ক্ষেত্ৰ আদি বৰ্ষ পুৰঃ আদি সন্ধু পৰাবেরি নাধুৰ্য্য ক্ষা যে হেছ ক্ষেত্ৰ আদি ধৰ্ম কেন্দাৰ্থী ৷ অভ্যৱাধানেঃ অপুতিযোগী কর্মাৎ वर्ष्य क्षेत्री त्व भवार्ष काक्षी वाम त्करणावती । त्करण चंत्यु काम विश्वत्वता कामि चंत्यु शहाय भूतमञ्ज व्यक्तिश्वत्व क व्यक्त केल्याहा शहाय चंत्यु केच्यात है क्षात विश्वत्वता भूतमञ्जलेत्यु कुमान विश्वत्वता क्षाति श्वत्य चंत्यु व्यक्तिशायिक्य । व्यक्तिश चंत्यु चंति ।

> व वादयः पक् भाषा करेचे समृद्धियः । जनावन सम साथा मृद्धादिनमु सक्रियः।

দুব্যারয়ঃ পঞ্চ ভাবা অনেকে সমবায়িনঃ। সভাবত জয় স্থান্যা ওপান্ধির্নর্তগক্ষিয়ঃ।

> समिति परिष्येनाम् सर्वे आवादशैर मताः। पारिसायक्वभित्रानी कार्यम्मसुदास्तः।

मानान्। भित्रीमाख् भाई बाडान्स्यान्छ। । भारिमाञ्जा्डियानाः कान्यवृश्क्षः ।

ৰ্থান: আদি সাৰ্থ পদাৰ্থ ৰাম্যু-চেন্ত হয় যে ইয়ে ৰাম্যু-চানি পদাৰ্থে শ্বামানচানি-পদাৰ্থ থাকে বা । এফ পাত্তিমাওল: ভিন্ন যে বস্তু পে কাৰণ হয় অৰ্থ পাত্তিমাওলঃ ভারণ হর মা জ্বাচ লামান্যাধি পদার্থ চক্টারের লাখর্য্য লামান্য হিন্তর্থ পরা পারিমান্তন্য ভিন্ন পদার্থের লাখর্য্য কারণক্ । পারিমান্তন্য শবে পরমান্ত পরিমান্য পরিমান পদার্থ আপনার আপুত্র আরহ যে দুর্য ওছার আপনার লমান্তির উৎকৃষ্ট পরিমান কার্যার ফেন্স ক্পানের পারিমান কপানে আরহ ঘটের আপনার নকারীর উৎকৃষ্ট পরিমান ক্রমান্ত আরহ ঘটের আপনার নকারীর উৎকৃষ্ট পরিমান ক্রমান্ত আরহ ঘটের আপনার নকারীর উৎকৃষ্ট পরিমান ক্রমান্ত আরহ ঘটের আরহা বহুর মহন্ত হয় তেমন নহে তাহা হইলো যেমন্ মহতে আরহ বহুর মহন্ত হয় তেমন লহে তাহা হইলো যেমন্ মহতে আরহ বহুর মহন্ত হয় তেমন পরমান্ত আরহ যে মান্তর পরিমান পরমান্ত হতে ব স্ক্রমান হিন্ত পারে আরক্তর মান্তর পরিমান পরমান্ত করিন মান কর্মান্ত করি ক্রমান্ত করি আরম্ভ করি আরম্ভ করি পরিমান কর্মান্ত করি বিল্লাক্তর পরিমান পরমান্ত করি ক্রমান্ত করি ক্রম

কারণুত্র কি এই কিঞ্চালাতে ডার্হার বিরুপণ করিতেছেন I

स्वयः सिक्तिस्यतः नियतः पूर्वविति। सार्यसः भवेण्या वैविधां परिवीतिसः। समवाधिकार्यनं भारत चेयमाध्यासमवाधिचेतुनं। वर्वे नैययनयदेणुनीयंगुनं भिमित्रं वितृतं। यत्समेवेनं वर्यो भवति चेयं तु समवदीयद्वार्यं तत्। सचासन्न वितीयं जनक मार्थापरं छतीयं भारत्।

অন্যথা নিদ্ধিশ্নাস্থা নিয়তা পূর্বকৈতি।
কারণত্ব ভবেরস্থা বৈবিখ্য পরিকীর্তিত।
সম্বায়িকারণ্ড্যক্থ জেয়মহপ্রেস্থান্যবিদ্ধিত্ব।
এবং ন্যায়নয়জৈত্তীয়স্কং নিমিত্ত হেতৃত্ব।
বং নাম্বিত্তকার্য্য ভবতিজেয়৽ত সম্বায়িকারণ তথা
ভবাসন বিতীয়ং জনক্ষাভ্যাংশর তৃতীয়ংস্টাত্য
ভবাসন বিতীয়ং জনক্ষাভ্যাংশর তৃতীয়ংস্টাত্য

कारभव हर वर्षाः चनाथानिधि वस्तारवायर्गात वर्षाः कार्यात অব্যবহিত প্রকাশে কার্ব্য সমানাধিকরণ অতারের•অপুরিবোগী যে পুদার্থ উচ্চার নাম কারণ নত্ততঃ বে পদার্থ বিশ্যমানে ও আবিশ্যমানে জার্যেট্র বিশ্যমানতা ও অবিশ্যমানতা হয় পেঁই পথাৰ্থ কাৰে হয় ৷ বুৱাভাবে বস্তাভাৰ কপানকশালিকার সংযোগাতাৰে ঘটাভাৰ এবং পুণ্যাতাৰে মুখ্যীভাৰ ইডএনি হয় অভএন সূত্ৰ কপালঞ্চালিকান সংগ্ৰেপ্ত পুৰ্ও ইডগানিবস্ত্ৰ ছট ও দুধ ইত্যালির কারণ হর। অন্যথা নিজির বারুণার্থ পুথম ৰুল। কৰাচিৎ ঘটাৰি কাৰ্বেরে পূর্বেরী যে তুলাদি তাহার বারণর্থে নিজুত পদ। স্বার্যের অব্যবহিত পুর্বীয়ালে যে অচলুও कृति कर लहे कार्यः नमानाधिकतन **अकार्**यत **अनु**क्रियाजी क्रे আন্যবাসিদ্ধির নির্ণণ পাশ্যাৎ করি**ব ৷ আ**রণস্কু- কার্থের ধর্মা লেট কারণত তিন পুরুষর হয় কমবায়িকারণত অসমখায়ি-কারণুত্ব ও নিমিত্ কারণত্ব। টে বছুঁতে সঞ্লেত ছট্লেকা-র্ফোর ইয় হর সেই ঠুকু সমবায়ে কারণ ভাহার বর্ম সমসায়ি-কারণত্য মঞ্জের পরমাণু বরের পূত্র এবং মটের কপাল ইত্যানি। বসংবত পরে সমবীয় বছদে, বর্তমান ট এব॰ বমবারি-কারণে আসম কর্মাৎ সমবারিকারণের বছনু বিলেট যে কাবণ লেই অবক্ষায়িকারণ ভাষার ধর্ম অবমবায়িকারণত্ব। মাণুকের পরসাধুসংযোগ বিশ্বের সূত্র সংযোগ ঘটের কণাল ৰংযোগ এবং ঘট পরিমাণের কলাল পরিমাণু ইস্তাদি। এবং এই উভয়-কারণ ভিন্ন যে কারণ কেই নিমিন্ত কারণ ভাত্রে ধর্ম নিমিত্ত কারণত্ব বিটের দঙাবি করের তজাবি এবং মাণুকের ৰীখর ইত্যাদি।এ ছানে ইহা অবধান করিবং কুচিৎ সংলারিফারণ নালে কাৰ্য্য নাল হয় কৃচিঙু অসমীবারিকরেন নালে কাৰ্য্য নাল হর। বেছন বঁলাল নাবে, ঘট নাপ এবং পরমাণু সংবোধ কাপে ৰ্লুৰ নাশ হয়। এই সমবায়ি পুৰুতি কারণ আনাধারণ কারণ

আনিবা ইবর ইবরের জান ইক্। ও যতুন্ত্রণ কাল দিক্ পুগিভার ও অনুট্ট এইজট প্রারকারণ কার্য্য সকলের সাহারণ কারণ হয়। আছার কারণত্ব কল্পনা ব্যাতরেকে ও অসঃ পুকারে ক্রিও নিছি ব্য ভাষার নাম অন্যত্তা সিছ তাহার যর্ষ্য অন্যত্তা সিছি।

খন্যবা সিদ্ধ কর পুকার হর তাহা কহিচেচ্ন ৷

वैनस्य पूर्वभावः बार्यभादाय वा यय। स्रतंप्रति पूर्वभावे द्वाते इस पूर्वभाव विद्यानं । भूनकंप्रति पूर्ववर्षितामध्यश्चित्रय नयस्य स्टब्से । स्रतिरक्षमध्यास्य यद्भवित्रतावस्य पूर्वभावितः । स्ति एवा अस्यासिका दश्यनादिक्षमदिम् । स्टब्से श्वास्य विद्यासिका दश्यनादिम् । स्टब्से स्वरूपादि विद्यासमध्य दश्यितं । स्टब्से स्वरूपादि विद्यासमध्य दश्यते । स्वतिरक्षमविद्यास्य स्वरूपादिका स्वर्णक्षम् ।

যেনপুথ পূর্বভাবঃ কার্থমাদ্যে বা যপ্ত। অন্যংপুতি পূর্বভাবে জ্ঞাতে যথ পুরভাব বিজ্ঞান । জনকংপুতি পূর্ববিতাসখপরিজ্ঞায় নযপ্ত গৃহ্যত। অতিরিজমধ্যাখনিয়ন্তবেষিয়তাবশ্যকপূর্বভাবিনঃ

अ ज नकार्न । शामिका स्वकारिक मारियः । रहारते स्वक्नारि विजीयम्स्निम्बिकः । ज्जीयम् जर्याम् क्नान स्नरकार्नतः। नक्षानात्रामयानिः महिल्ल वृत्तिमहरू क्रिस्मो।

কাষ্টেরপুটি কারণের বেরপে নিয়ত পুর্বিতিয় মহাধানে হর্দ্দ কার্থিয়া অবচ্ছেতে হয় এক করপের বারা মাহার পুটি কার্বের নিয়ত পূর্বিতিন এক কার্যান্তরের পুতি পুর্বর্তিতঃ ভালের অন্ধ

৪র বাহার পুতি কার্বেরে পুর্বিভিঙা জান হর এবং কারণের পুতি পূৰ্ববিভা জান ব্যক্তিরেকে ছাছার পুতি কার্যের পূর্ববিভা জান व) ह्य अर॰ ध अरे सम्बंध निष्क स्वकेंद्रस्टें एक किम स्व कार्याद्व এইণ্ড নিয়ত পূর্বতী অর্থাৎ কার্যেট্র পূর্বালে কার্যা, বলাবাধি-করন' অভারের অপুডিয়োগী এই পাঁচ ঘটাৰি বরুপ কার্ব্যেত্র অন্যথ্য নিছ হয় যে ছেম্ব অৰণ্য কুপ্ত নিয়বিশূৰ্বিমি মঞ্জে কার-ণস্ব সন্তব ছাইলে ইছারদিগ্নের কারণস্ব কর্মন অকিঞিৎ কর যোগন পুত্যক্ষে মহত্ত্বে কারণস্থলন্ত্র হাইলে অনেক শুর্বতের কারণস্থ কল্পন অভিন্তিৎ করে ৷ এবং এই পঞ্চ অন্যা সিছেই মধ্যে ঘটাছি ৰ্ত্তপ কাৰ্যে; দশুবাদি পুথই অন;খা নিভ যেজুৰে ইটাদি কাৰ্যে;# পুতিনে তালিক হৈপের ছণ্ডতাদিরপে নিক্ত পূর্ববর্তিতা পরশব্দকরপাছি দিতীয় অনুপ্রা সিদ্ধ যে ছেত্ত ঘটাবি ক্রার্যে য**ু পুতির ওরপাদির সভাবি** ধরণ করেনের মারা নিয়ত পূর্ববিতা এবং আকাশ ত্তীয় অন্যধ্য বিদ্ধ খেনেত ঘটানি কার্যে)র পুতি আকাপের নিয়ত গ্রুবর্তিতা লাক্ষার্যাপ্ররেরপুরি পূর্বর্ত্তির জানের অনন্তর মহয়ে আরু আ-কালী লব্লের সম্বারীকারণ শতএর পুথমত। লব্লের পুতি পুর্ববর্তিধা ক্ৰান হৰ পৰ্যে ঘটাদির পুভিক্ষ এবং কৃষ্টঞারের পিতা চক্ত অন্যথা দিছ যেছের ঘটাছি কার্য্যের পুতি কুম্বকারের পিতার নিয়ক্ত পূর্ব-বর্ত্তিতা জান,পুথমতে কুছকার বরণ কারণের পুতি পূর্বর্তিতা জান বিনাহয় লা এব**্ ৱাববাদি পক্ষ অন্**থাসি**ছ যে হেখ ঘটানি** কার্যের পুতি রাজনাদি এই অন্ধা দিও চত্তইয়ত্ইতে ভিল্ হয় এবং এই সকল কৰ্পনীবিছের মধ্যে পঞ্জ অন্ধোবিছ ভাৰপ্তক হয় যে,হের ভাহাতেই এই দারি পুরুর অন্যথানিম দরিভার্য হয় যে ছেভ কুল নিয়ত পূৰ্ববৰ্তি গঞাদীকারণেতে যদি ঘটাৰি কার্মের সম্ভব হয় ওবে প্রভ্যানির করেণত্ব কল্পনে প্রয়োজনাভাব ও গৌরন যে হেখ ঘটানৈ ফার্যেয়ে পুতিবল্লানি যে সমূদে, ভারন হয় ৰপ্ৰাদি তাহাত্ৰতে এঞ্জন নমুদ্ৰে কান্ত্ৰ হয় : কাৰ্যজ্ঞা নমুদ্ৰ

বাটের পুতি হও জন্য যে চজের পুনণ চজন্য যে কণাল কণা-লিকা ভাত্যর জালুরত্ব সরবে হও কারণ এবং হওছের জালুর যে হও ভজনা যে চজের স্থান ডজন্য যে কণাল কণালিকা ভাত্যর জালুরত্ব সহবে গওলু কারণ এবণ্ বভরগানির কারণত্ব কল্লবে ও এই রূপ গৌরত আনিবার

समस्यि पारकतं रच देश विश्वेषः। गुजरुक्तं मात्र द्वान सेय सभ्याभ्यक्तमस्यवि शैतुतं । जनस्यक्ति को १९५० मुद्दिम्/त् दिरकुत्रः।

# গুণকর্ম নাজ বৃদ্ধি জ্ঞেয়সহথাইপ্তহসনবায়ি হেতুর্-১

ক্ষণারিকার এক বব বিশ্ব পুরি হয় এবং অসমনটোকারণজু ধণ কর্মানাত্র বৃদ্ধি হয় অবীচ সমবারিকারণজু দুবেরে সাধর্মা এবং অসমবারিকারণজু ধণকবৈরি সাধর্মী।

শ্বন্ধি কথিন সামিন্দ্রি ।
ক্রিন্দ্রি নির্দ্ধি নির্দ্ধি নির্দ্ধি ।
ক্রিন্দ্রি নির্দ্ধি কর্মান্ত্র ক্রিন্দ্রি ।
ক্রিন্দ্রি কর্মান্ত্র ক্রিন্দ্রিক ।
ক্রিন্দ্রি নির্দ্ধি নির্দ্

নিতঃ দুবাহাইতে ভিন্ন যে পদার্থ ভাষার সাঁধপাঁ আপ্তিত্ব হ নিতঃ দুবা কাহার ও আপ্তিত হয় না কিছু আপুর হয়। এই আপ্তিত্ব সরসারাগি সমূদ্র জানিবা অন্যথা নিতঃ দুবােও কালি-কামি সমুদ্রে ভাশাদির আপ্তিত্ব থাকে। পরসাধ্ আকশি কাশ নিত্ ও আল্লা এই পঞ্চ দুবা নিতঃ। এবং পৃথিবাামি নব দুবাের সাধ্যাঃ দুবা্ধ ও্পাল্যুক্।

> चितिर्वर्धः स्वातिकः यक्नीसन् रवदः । प्रदारभगन मुक्ति जिया वैज्ञानवा जाती ।

# কিভিত্রন তথাতের: প্রনোমন এবচ। পরাহপরত্ব ফুর্বস্থ কিয়া বেগাশুয়া অমী।

পরত্ব অপীরত্ব মূর্তত্ব কিয়াপুরত্বও বেগাপুরত্ব এই পঞ্চ প্রিরী কল ভেকঃ বায়ুও মনং এই পঞ্চ দুবেরে বাধর্ম, হয়। যে পদার্থের পরিমাণের সীমা হয় তাহার নাম মূর্ত। আকাশাদি ভারুপ নহে যে হেত্ব আকাশাদির পরম মহতুপরিমাণ।

ধ্যনকানবিধা নশ্যমে দ্বা দৃশ্যু। ভিনানে দৰ পুনানি বনাহৈ অভ্যমিছি। কালবাহুদিশা• সর্বগতন্ত্ব• প্রকা• মহন্ত। কিত্যাদি পঞ্চ ভ্তানি চন্ধারে ক্লবিড়িছি।

আকাশ কাশদিক্ধ আয়া এই দীনি দুবে ন লগগঁল প্রনিত্ত আর্থাৎ নিজ্তু এবং প্রমহত্ত্ত্ত্ত্বাধীৎ নার্থিক্ট প্রিমাণিকত্ব । এবংপ্রিমা আদি পঞ্জপুরঃ উঠু নামে খাতি হয় ওপাঁচ প্রিরঃগি পঞ্জপুরঃ নিগাঁল ত্তত্বা নর মূরের নামোন বিশিক্তি বে পরার্থ ভারার নাম নিজঃ ত্তত্বা নর মূরের নামোন বিশিক্তি বে পরার্থ ভারার নাম নিজঃ আদার যে পালার ভারার নাম কৃত । জানালি করণ নিশেষ ধনীর আশার যে আহাা চাহাতে অভিন্যাপি নার্গার্থ আয়া ভিন্ন এই ভাগে ধাণালুর যে কালামি ভালারে অভিন্যাপি নার্গার্থ আয়া ভিন্ন এই ভাগে ধাণালুর যে কালামি ভালারে আছিল সামার্থি লাকে। কিলার বিশেষ পাঁল আলানার বিশেষ কালামি ভালার যে কালার নামার্শিক্ত লাকে। করি আলার ৷ মরুপা কাশেক ও পারিভারিক ৷ কোলার কালাক আলার এই কালার লাকি জালার ও পারিভারিক । কোলার বিশিক্তিত্ব অলভ এবংশারাপ্রাণালুনানি বিশ্বিকীত্ব বৃক্তত্ব ইত্যাদি সঞ্জন পাখাদির প্রেম্ব আলাক ৷ কুত্রানির কলপ পারিভারিক ৷ এবংপ্রিমীকারি

সারি পুরঃ স্বর্ণ বিশেষ্ট ভরার প্রিব্যালি পুরঃ স্বর্কীবের সাধর্য্য স্বর্ণাপুরজু ঃ

मवारक्षभनुनुकार/पानाण्यरीरिका। भवाज्यकाः क्षिका विशेष तुबरणते। मृत्राव्यक्षणञ्जूनागरुशाकाणणतीतिगाः। ज्यानात्विः मःिका विल्यंत स्वहेराउ।

প্ৰিথা আৰিগ্যান ক্ৰেও প্ৰেওৱ আন্তৰ্ভ কৰাছ প্ৰিথানি চৰ প্ৰেওৱ সাংগ্ৰাপ্ত প্ৰভাৱন্তক্ষ্য এবং আকাশ ও আন্তান যে বিশেষ থাণ সৈ ক্ৰেওৱাল্ড বৃত্তি ও জনিক হয় তথাছ আকাশ ও আন্তান নাংগ্ৰাপ্ত অব্যাল্ড বৃত্তি বিশেষ প্ৰদেৱ আপুন্তত্ব এবং জনিক বিশেষ প্ৰথেৱ আপুন্তবুং নাছাৰ এক্ষিপাৰক্ষেত্ৰ উৎপত্তি অন্যক্ষেণাৰক্ষেত্ৰ কে আভাব নেই অব্যাল্ড বৃত্তি হয় এবং নাহার ক্রিছ জনে গুলা হয় সৈই জনিক হয় 1 আকাশ ২৩ আন্তান বিশেষ প্রণ যে পত্ন ও জানানি ভাহারা এভান্প হর যে হান্ত আকাশে পর্ত্তের কোন ক্ষেত্রক্ষেক্ত উৎপত্তি কোন দেশাবক্ষেত্র অভাব ও পুন্নম জনে উৎপত্তি বিভান্ন জনে বৃত্তি ক্রিয় জনে বিনাল ক্ষেত্রিছ এবং আক্রাকে ও আনাধির পরীয়াবক্ষেক্ত উৎপত্তি অটাবক্ষেক্ত অভাব ও পুন্নম জনে উৎপত্তি বিভান্ন জনে বিভিন্ন ক্রিয়া জনে বিনাল ক্ষেত্রক্তিয়া স্থান বিভান্ন বিশেষ প্রণ ব্যাল্ড বৃত্তি ও বিনাল ক্ষেত্রক্তিয়া অভাব ভাল্তাতে অভিন্যান্তির আশক্তা ক্রিয়া না।

> कमभवन यक्तः वैशिक्षात् त्रधर्मावयः । जुद्दवी दे दस्तवतो दसेले भितिकोत्तवीः ।

কপদুৰত্ব প্ৰত্যক্ষ যোগিস্থেৎ, পুখমত্ৰিক- । পুকৰী যে রসব্জী খণ্টেইনিমিডিকোদুবঃ। পৃথিতী আদি কিন পুৰত কৰা বিশিক্ট পুৰক্ বিশিক্ট ও পুড়া-কের বিষয় এবং পৃথিতী আদি পুই পুৰত ও ইন্ত্ৰিনিট হয় এবং পৃথিতী এ কেকের যে পুৰকু লে নৈমিতিক হয়,তথাচ পৃথি-ব্যাগি পুৰতভাৱে সাধান্ত ক্ষত্বক ও পুড়াক বিষয়ত্ব এবং পৃথিবগুলি পুৰতভাৱের সাধান্ত প্রকৃষ্ণ ও ক্ষুমণ্ড এবং পৃথিতী ও কেন্দ্রে সংগণ্ড নৈমিতিক পুৰক্ষ

জ্ঞানি মূলনীৰে নিমন্ত্ৰীনিক। যথ নাৰেলটা বিধনটা নিবছৰাবন্ধ আহোনো ভূতব্যালট বিলেষপুণ্থোপিনঃ ! বদুক্ত- থনাঃ সাধ্যাঃ বৈধ্যানিত্ৰসংত্ৰ-।

আত্রা ও প্রিব্যাদি পঞ্চত বিশেষ উপের আপুর তেঁথায় আত্রার ও প্রিব্যাদি পঞ্চত্তের স্লামনী বিশেষধ্যপুরত্ব । এবং কেল্ড্রাদি বিনা যে বাহার সামনী উক্ত হট্টাছে নে, অনৈয়ে বৈধনী হয় কেল্ড্রাইপেকাহীর ও বৈধনী হয় না যে হেন্দ্র কৈব-সাহরী হয়।

াৰ্ড নৰ ৪০ তেখের একাৰণ ৪৭ ইড্যানি পুটোৰ কাচিকার অনুবাতে প্ৰিবী আদির ক্লয় পরিভ্যান কচিয়া বারু আদির ক্লয়ে ভোন্ বুৰেত্ব ক**িপু**ভাত ৪৭ ভাষা কহিতেছেন !

> सर्वदिवे । चित्रस्य संकारित क्ते गुलाः । भक्तैः सर्वदिक्षे कर्षः देश देशक तेशसः । सर्वदिवे । चित्रक गुलुत्व अववदं । सर्वदिवे । चित्रकारित्वेते सनुदेशः । विश्वतिक स्थ्युताः सिद्धारिते वनुदेशः । मुख्यद्विकद्वं संकादि वववं भावनात्रमः । सम्बद्धिकद्वं संकादि वववं भावनात्रमः । सम्बद्धिकद्वं साम्बद्धिः सम्बद्धि । संकादिवं ववं साम्बद्धिः सम्बद्धि विश्व दे ।

व्यक्तित्व । याचुनि दिकायक्षे । वर्षादवर्गः संस्थाद्याप्य ने गता मानसे ।

শ্বলাদের। হাইবিদাধ্যম-হারোমকতোগুণাঃ।
ভাইে শার্লান্তারকণ এবেবেগণ তেজন।
শালাদের। হাইবিগণ গুকত্ক দুবত্ক।
কাপ রস্ত্রথা সেহোবারিগেতে চতুর্গণ।
স্ক্রানি বই সংখ্যাদ পদক ভাবনা তথা।
হার্লানি বই সংখ্যাদ পদক ভাবনা তথা।
হার্লানির বিভাগের হার্লানির বিভাগের বিশাদ্ নানসে।
পরাহণারত সংখ্যাদ্যাঃ পদা বুদ্ধিরি ভাগের হিলাহে নানসে।

 ষর্থ ও অমর্থ এই চয়র্থন প্রন আবাজার। এবং কথার পরি-মান প্রকু সংযোগ ও বিভাগ এই পরু প্রন কালের ও বিকের। এবং পরু সংগ্রা পরিমান প্রকু সংযোগ ও বিভাগ এই হয় প্রন আকা, পর। এবং সংখ্যা পরিমান প্রকু সংযোগ বিভাগ বৃদ্ধি ইন্দা ও অভুএই অই এন ইবারের। এবং পুরুত্ব অপরস্থ সংখ্যা পরিমান প্রকু সংযোগ বিভাগ ও বেগ এই অই এন মনের। সমুতি পৃথিবী আদি সভাপুরের ব্যাক্তমে বিরুপন করিতেহেন।

> तत्र सिति ग्रंथवेतु गैलारुपवती मतः। यहिषस्य रससीत्र गर्थस्य विविधीततः। स्रोत्तरास्त्र विविधीय श्रम्भारयोतं प्रावनः। निकारनियात्र सा विद्या विवासीय प्रमुख्यातः। विविधात् तद्यास्त्रात् क्षेत्रात्रयवसीयिनी। साम विश्वा भरिषे प्रविधं विषयस्याः। विविधारिसंविद्येष प्रस्थियात्रस्य । विद्योग्यादिस्य प्रस्थास्त्रस्य स्ट्राह्यः।

তর কিতি গ্রহেণু নানাকপবতী মতা।
বিধিন্ত ব্রেন্ডর গক্ত বিবিবামত:।
স্পর্কিস্যান্ত বিজ্ঞোন্যংনুকাংশীত পাকজ:
নিত্যাংনিতাক সা দেখা নিত্যাস্যাদপুরজণা।
অনিত্যাত্ তথন্যাস্যাক সৈবাংবয়ব বোগিনী।
লাচ জিখা ভবেদেহে ইন্দিয়৽ বিবয়ভথা।
বোনিল্টিভবিদের ইন্দিয়৽ যাণলজণ।।
বিবল্লেগ্রাকিনিচবুকায়ার উদার্ভ:।

লেই বৰ মুৰেরে মধ্যে পৃথিতী গলের সমবারিকারণ করণ থেছ পাঁড় নাল ওয়ক ইভগ্নি নানা পুৰার রপের আপুর হর ই অবং-পৃথিবীর রম হয়-পুলার মধ্রাপ্রণ কটু ডিজা আয় জ কৰীয় 🕽 এইণ পৃথিবীয় গলু বৃষ্ট পুঞ্জি দৌরক 😘 অনৌরক কৰা পুৰিমায় স্থাপ পাক্ষ অনুস্থাপতি অৰ্থাৎ সা পাঁড না উত্ত কলতঃ 'বিভাডীয় উৰাচ যে বুয়া গানুৱ সমবায়িকারণ হয় ভাছার বাম প্রিবী। এই লছণে পাবালে গরাভাব পুরুজ অব্যান্তির আপেকা করিবা বা যে ছেব'পাবালে ও গাড় আছে বিদ্ধ অতি অপুনাশিত একারণ ভাষার বোধ হয় না অন্যথা ল্পারাপের কলে কিবলে গলের বোধ হয় ৷ বে পুরঃ বে পুরেরে क्षुप्त बन्ध हत्र तम बुद्ध ति बुद्धान्त मध्यातिकाइन बन्ध हरू अहे নিয়ালবর্ত্ত। পাতার যুগ্ধ করা যে পাতার তথা ভাছাতে পাতারের লমবাহিকায়ৰ যে পাৰাপের পারমাণু ভক্ষমাতু নিম্ব হয় যেমন মহাপটের দুল্ল জন্য যে এও পট্ট ভাছাতে মহাপটের শমবাল্লি-কারণ যে পুঞা ভক্ষান,ত্ব নিদ্ধা আছে তথাৰ পাৰাণ পরমাণু কনঃ ৰে পাষাৰ কৰা ভাষাতে গাঁৱ বৰ্ণন পুঞ্জ পাৰাৰ পছয়াৰু নবঃ যে পাবাণ ভাহাতে ও দুভৱাং গনু নিছ হয়। এবং যে ভাহার নম-**বাহিকারৰ হয় বে বমবার বমুনে, ভাহার আপুর হয় বেমন** ষ্টের সমবাচিকারণ যে কণাল লে সমবার-সমূত্রে ছটের আপুর হল তেমন গনের সমবারিকরেশ যে পৃথিবী বে ও সম-ৰায় সমূদ্ৰে গৰেত্ৰ আপুত্ৰ হৰ অভনৰ বৰু পি যে ৰুবঃ গৰেত্ৰ আশুর হয় ভাষার নাম পৃথিবী এই সদু দুক্তন নয়ৰ হকু ভথাপি প্ৰিমীতু আট্টিয় পুচাৰ দৰ্শনাৰ্থ মহবাতি কাৰে পৰ্যন্ত কহিলাছেন ভাছা অৰণত হও ! ৰাভি বিদ পুকার হয় কার্ণভাবচেছ্যক দিছা ক্ষাৰ্যভোৰক্ষেত্ৰক নিজা ও পুৰুক্ষি নিজা বুৰুদ্ধেদি নাভি কাৰণ-ভাৰক্ষেক নিভা রে হেন্দ্র দুবগুনি বৃদ্ধি দে কংযোগারির কালেন্ডা ভাষার অবক্ষেক বুক্তাটি হয় ৷ পুৰস্থাবি,লাভি কার্যভার-



रक्तक निका रह रहेक नुवादि सिर्फ रव धर्मादित कार्याका कार्यक्र অবংক্তৰ সুধান্তাতি হয় ই কৰ্মনাতি লাভি পুডাকে নিছা,বে ছেৰ উৎক্রেণথানি, কর্ম সাধা এক রণেছ । দুউ হাইবেছি । 'প্ৰ।ছাবি লাভি ক্রিব পুধ্যক্ষবিদ্ধা হয় না বে হেড সূত ডেলঃ পুষ্টি বুবেঞ্জী ক্ষৰৰ কাচিন্য ক্ষৰ মুখন বৈদ্ধে হৈছি। খ্ৰুডুটো কাভি প্ৰাক্ত নিয়াও ফাৰেডাৰক্ষেত্ৰ নিয়া বে বেজ জনাবি নৰ্থা 📟 জনেই ৰ্ট হয় এবং লগাবি নিও জা বেছের সমবায়িকারণত। ভারার बाराकृतक जेनदानि एते। घोषानि वाकि शुक्ता निका छ কাৰ্য্যভাৰক্ষেত্ৰক নিষ্কাৰে ছেব্ৰ শবন ঘটেটাই এক অবয়ৰ এৰণ্ গ্ৰটাৰি নিঙ্গু দ্বাদির কার্য্ডা ভাষার অবচ্ছেক ঘটকাদি হয় ই হৰতি।দী লাতি কারণভাবকেন্দ্ৰক নিকাওঁ÷কার∫ভাবকে্নক নিকা যে ক্ষে মর্নাদিনিত যে স্থাবির কীরণডাণ্ড ফাগাবি জিলার কাৰ্য্যভা ভাছার অবচ্ছেদক ষম্বানি ইয় ৷ ওপনাদি কাতি যেরপো নিভা হর ভাহা এণু পুরুরণে ব্যক্ত হইবে ভরাচ প্রিরীকৃষ্টাভি कादनको बरक्षक निष्कु एक या एक नृथियो निष्ठ यो बर्द्युक्रीनकः বারিকারণতা ভাহাঁর অবচ্ছেবক পৃথিবীর্ত্ত হয়। কারও বৃত্তি যে গ্রন্থ বিশেষ দে কারণভাবক্ষেদক হঁর এবং, কার্য্য কৃ**ত্তি যে ধর্ম বিশেষ বে** कार्य) जानस्वरं रहा। जनगणना नितं हुन जनन जनगणना गृथियोहः বান। পুৰার বার্টি রূপ অধাক্ষ পৃথিবীয় পাক্ষতে হেছ পাক পুৰুক্ত পৃথিনীয় কথন কটিনত্ব কথন কোমণত্ব বেধিতেছি জন্ত-এব পূথিবী নামা রূপের, স্থাপুরহয় ইভ্যাদি বাবেচর যারা পূথি-বার এই তিন পুরুত্তি লক্ষ্ম জাত্ত্ করিয়াছেন। যে বুরঃনানা প্রপের আপুর বিয়া বড়িয় রনের আপুর বিয়া পাকরা প্রপের আপুর হয়: ভাষায়ুনামপ্ৰিনী। এবং নেই পৃথিৱী দুই পুকার নিভগ্ন ও অনিভগ্ন ভাছার মধ্যে পরমানুরণা পুঞ্জিবী বিভঃ ও ব পুজারি রুণঃ পুরিবী জুমিভ্য । সেই জমিড্য শৃথিৱী অবরুব বিশিক্টা হয়। এ স্থাহে পুভাৰার পরমাণুর বারাই ঘটাবির উপপত্তি হুইছে পারে অভ-

একপ্রমাণ্ড্টতে ভিত্ন ঘটানি বরণ অবহব বিশিকী প্রিবীতে পুঁছাগাঁভাবের ঝাগড়া করিবানা যে ছেড যেমনখান্য পুঁজে এক মান্যৱালি এই রূপ একর পুতাতি হয় তেমন প্রমাণু পুত্র খরপ **ঘটারিডে ও বদ্যুদ্য একত্ব পুড়াতি সর্ব হর তথালি পুড্যঞ্চ কারণ** ৰে সংঘৰ উদ্ধ কুণ প্রমাণ্ডে ভাহার অভাব পুরু<del>ক মটা</del>বিরও পুডার্ছ'শ্টতে পারে বা বেয়ন শিলাচারির শুরীপুরস্ক পুতৃক্ত শিশামাৰি ৰমূহের পুত। জ হয় বা তথাম এই ৰূপে পুমান বিজ্ঞা বে অবয়ৰ, বিশিক্ত ঘটাদি ৰয়ণা প্ৰিনী ভাছাত উৎপত্তি ও বিনাপ পুড্যক নিছ অভনৰ অবয়ৰ বিশিষ্ট পৃথিবী অনিত্য হয় এবং যেমন অনুষ্ঠ ও মহায় এই গৃহ পরিমাণের মধ্যে মহায় পরিমানের পের গগুলাদিতে কাছে তেমন আগুড় পরিমানের পের অনশ্য কোন নত্তকোছে উত্তৰ যে বস্তুতে অণুস্থু পরিয়াণের लिय सारह लाहे वसके लीडमांनु इह उधार अहे अल लुमान শিক্ষাবাশরমানু ভাষার উৎপত্তি ও বিবাশেতে পুমানাভার পুরুক্ত প্ৰদান্ ৰৱপা পৃথিব। নিড্যা হয় । 'দেই প্ৰব্যৰ বিশিক্ষ্য নিড্যা শৃথিবী ভিন পুঁকার দেছ ইন্দ্রিয় 🛭 বিষয়। ডাহৌর সংখ্য দেছ গুই পুকার বোনিজ ও জবোনিজ। কেই যোনিজ বেছ দুই পুকার জনাত্ৰ ও অধ্যাঃ মানুবাদির বেছ করায়ুকাং পদি পুত্তির গেহ অওক ব অহোনিয় দেহ বেবক উদ্ভিদ্ধ ও পাপক পুত্তি নানঃ পুকার হয়। ক্রমি ও সপকাদির দেহ বেদল। বৃক্ষাদির দেহ উভিজ্ঞ । নার্কির হেছ পাপজ। মানুষ্ট্র পরীরের পার্থিজের পুমাণ নাৰুছিঃ মানুষাধি পরীরে কুম ও উঞ্চালির ধর্ণন পুযুক্ত যে বনীয়ই ও তৈৰসভ্যদির স্কাম দে ভূম মাত্র যে হে ভংকুদাদির বিবাশ কালে ও মানুযাৰি শতীয়ে প্রীরস্ভাব ও গানু হি হেডক পাৰিবৰ ভাৰ হুইডেহে অভৰুহ কেুবাদি মানুবাদি পঠারের অপীঃ ছ.দির পুমাণ নহে কিছু জনীদি মানুবাৰি পরীরের নিমিছ কারণ অবনৰ যেখন জনীয় খৈলৰ ও বায়বীয় পত্নীয়ে পাছিবাং

পের সমূদ্ পুরুক্ক উপজোল করণবোগ্যতা আহে পরা জনানিক। পুষাৰ পুৰুক্ত কথাকুবাধিকৰ বহাৰ ছণ কেছে কেনৰ মুনুহাধিক পাৰিঃ প্রাত্তে জনাত্ত ভাগাদির বছনু পুরুক্ত কুেগাদি আঁছে এবং পুথিনীয়ু পুখানঃ পুঢুক পার্থিনত্তের বানহার হইচেছে । এইণ্ পুছাৰাতাৰ পুছুক্ত পৰীয়ন্ত আতি নহে কিছু চেন্টার আপুয়ন্ত 🕽 (6क्को मानु मानोतिक क्रियो विश्मेष कडनर नुकानिभोडीरत অব্যান্তির আশক্ষা করিব:ন৯ যে হেড সন্তাবতী পুত্তির আকু-কন আনু কৰ্মাদির পুনরেশ সবল মুখেনী পুত্তি সভার বেউন দেংগার পুত্তিরউর্থ দংযোগানুকুল ক্রিয়া দেখিতেছি ৷ ব্লাবির যে প্রীর ক্লাছে ভাছার পুনান ভাছাতে পরিরারম্বক বাষ্ট্র বছৰ ঠীছাত পুমাৰ জীমুটি বৃক্তের ছিবপাগাৰ্টতে পুনৱতি ভাৰ্লবৃক্ষের উৎপত্তি এবং অবস্থীবিবৃদ্ধের শাসাম্ভেৰনা**নন্তর** পুনর্বার পাঞ্চাপলুবাদির উৎপদ্ধি এবিং যদি ছন্তানিকে পরীর ব্ৰহাৰ লাহয় ডাৱে শধীৰের অজ্পে অবয়ৰ ভিল্ এই জীগের নিবেল তাৰে। এরত অনিতঃ প্রিবার উল্বেল দুলি মর্থাৎ লুলে(মুক পার্চিব হয় যে হেতু রপাগিট বংশদানী হট্যা গণেয় वाक्षक बुदा इस । त्यसन कुँक्रशास्त्र वाशक देशन ও स्मूक কুৰুমাসিরপবনানীত সূক্ষ্মপঞ্জ পানিব হয় যে হেতু রপাধির ব্যশ্বক ন্য হুইয়া গ্রন্থের বী্রাক বুর্যু হয়। স্থানেন্দ্রির মিকর্যে ব্যক্তিসার। বারণার্য পুরু পাল। । শক্তবের ভাবের পুরি জল কারণ অস্করে। বৰশগ্ৰাবগৰ গছের ব্যক্তিকুয়ে জল ভাছাতেই পার্থিবক্ত না থাছিলে। ও জনতি নীই যে হেডুডুগুণুল য়াল ধেনল তাদুখা গণেৱ পঞ্জিক নছে কিন্তু চলেন্ত্ৰও বঞ্জক হ'য় । এবঁণ যে উপজোগোর কারণ হয়। फार्द्ध नाम विवय ६ नवन काम्हरे चन्छ।शीन एए ८० कार्यह বাহার অধ্যাধীন হয় লৈ ক্র্য্টে নাজাৎ কিয়া। পর্যারার জবলার ভাহার উপভোগ জনার ভাহার পুনাগ কর্বরি ন্পের বিশুক্ষ ,থের পুনান বছজন বভাগের উপাধ্যান ৷ নাম ও প্রয়োজন বিদার্গ জ্ঞান মানে বার উৎপত্তি আ না অভগ্র কান্তানি বুজাওপর্যন্ত গঞ্জপ পর্টের বছুই অনিভঃ পৃথিবীর বিষয় হয় ই ববংশি পরীয়া-নিজ্ঞ বিবিদ্যা আছে কথালি ভিন্ন, রূপে কথন কেবল পিরের বিশেষ জানার।

ৰুপের নিরপণ্ ক্রিচেচ্ছন।

वर्षः भुद्धाः रसस्यक्षैः भवे सब्द द्योतकैः। भेषकाच नवसन् सांसिद्धिब मुदादसं । विकासि प्रधाननत् किनु देवसःशिकितं । दनियं रस्टवं सिन्धु विभादि विकास सत्।।

বর্ণ: শুক্রেরস্পর্নে। কলে মধুর শীতকো। স্বেহতর দুবর্ত্ব সাংগিষিকমুদাক্ত। নিক্রাতাদি পুথমকং, কিন্তু দেহমংগ্রোনিজ। ইঞ্রিঃ রসন- সিকর্হিমাদি বিশ্বামতঃ।

ৰংশর পুরুবর্গ সপুর রস ও পাতিশ রপ্রিয় নিবং কলে সুেং ও ৰাভাবিক শুবহু আহে তথাছ যে পুরু সুেছের কিছা ৰাভাবিক শুবহুর সমধায়িকারণ হয় ভাহার নাম কলা এবং আন নিষ্ঠ যে সুেহাসির সমধায়িকারণতা ভাহার অবিদেহ্দকত্ব কলত্ব আভির পুনাং হয়।

প্রপক্ষ।

অংশর পুতুরণ∫করণৈ শিশ্ব হয়। অমনাদির জলে নীপ্রপাদির পুতৃঃক হইতিছে।

#### निद्धीष्ठ ।

সমুনামির কলে যে নীনরপাধির পুরাক হয় আছেরে ক্লাল আপুরাধির নীনরপাধি কণজ কলের রপ পুনুই যে হেবু পুনোকে नुविष्ठं जान च कर्रकारिएक नृजुबलके नुकृष्क व्हेरकाही। পূর্বক। অলের মধুর রবে কিপুদার জলে পুরক্তেও। কোন রবের অসুক্তর হয়পা। বারিকেশ অসাধিতে যে মধুর রবের যোগায়র নে কেন্দ্ৰ আপুরের রূপে অব্যথা অহীর রুলাহিতে অপুরুদের त्याथ एकेरकरक् व्यक्तवर करन चात्र उनक अवत एकेरक् शास्त्र १ निकातः श्रीकरी कन कक्नानक्षत्र अरम प्रमुख प्रदर्गत विथि হর অভনত হলৈডকা কণ কলে লগে সমূহ বলের বংকক হয়, বেমন জল পজুৰুৰেয় ব্যক্ত হয় ৷ বহি বন কে হয়ীককীয়া ছ্য় তুল অভএৰ ৰালেতে হ্টাভকীয় যে সমুদ্ৰ চুল ভাহাট্ট ভূম হয় ভবে ভবেনত, কটুভিক্তাদিরশের ও বেখি হইতে পারে এবং আল-मकी कम जन्माबहर करन माह हरनत तथ है है एउटह অভবৰ পিছাপ্তজুকাৰণীর টোব্রী চীকাতে আচাব্রী বচন ই নতঃ-খ্ৰন্টতে সুলিভা মধুনা যে আছল জন্মলো বে দীন্ধি পাইতেছে এবং ভূটদখনাজিতে বে পীতসম্ভূপ ভাষ্য কারুণ ভৌষ্যত শাসন জন নানপু এই জনের বে উফ্ রুপ ভাছার ভারণ বলে আন্নাহি সপাৰ্ক জ্বন্ধনৰ পত্ৰিসন্ত্ৰপ কেবল কৰ্মেই আছে। এবং ষ্ঠাৰিতে যে বেুহ আছে বেও গ্ড।বির মধ্যয়টা যে জবীর ভাগ ৰ্যাদির মুক্ত নৈমিছিক হয় তৈলাদিতে বে মুক্ত লেও তৈলাদিয়া সম্বৰী যে সমীয় ভাগ ভাষারই যুবল্ব মভণৰ ৰাভাবিদ সুৰঞ্জ रवरन बरनरे चार्ड ! न्याकारिक पुरुष शुरु क्रिनिक जाति दिएनव एतः। अरं बरनत निरुद्ध चानि नृदित नतन वर्षाः द्वाने सृचि-ৰী নিড) ও অনিভঃ 🕮 দৃই পুৰুৱি তেমন ৰল নিডঃ ও অনিভঃ এই এই পুঞার হয় ভাহার স্থান্ন পরমাণ্যরণ অস নিজ্য ছগুকাৰি **বল**ু ৰূপ অনিত্ৰা পেই অনিতঃ ৰূপ **তি**ন পু্তাঃ বেহ ইব্রিক ও বিষয় কিছ পৃথিবীতে ও জলোকে এই বিপের হয় তে পুৰিবীয় বেছ বোনিৰ জ্পনোনিৰ বুলেয় বেছ কেবদ আছে:-

तिस । त्यान भूषिनीत्व भाषित भगीत भूनिक त्यान वजन त्यात्व समीत भगीत भूनिक स्वाद्धः। जर- प्रमा सत्मत देखित इत सर्वाद नम्बद्धि सभीत देश त्य त्य ग्रम्बाधित व्यक्तन र देखे प्रत्यत वश्यक सुद्धः द्याः। त्यान भक्तृत्यत्व वश्यक जन गुन्धावित दश्यक ना इदेशा तत्मत वश्यक भूनः दशः। इनत्यिषुत निविद्यं वश्यक ना इदेशा तत्मत वश्यक भूनः दशः। इनत्यिषुत निविद्यं वश्यक ना इदेशा तत्मत वश्यक भूनः दशः। इनत्यिषुत निविद्यं वश्यक ना इदेशा तत्मत वश्यक भूनः। स्वादि भाष्यु नवस्याम। व्यवकार्यः समित्र भूगुष्ट दश्यविद्यक्षत्र क्षानका करियः। सा त्य त्यक्त्यान्यः। विद्यमानित भन्द्यात्म तुवक भूनुक काद्याः सभीत् वृ भूवश्य विद्यक्षित्यः।

কে:আই নির্দাণ করিভেছেন ই

रूचे उक्कोजसम्बु सामूर्य शुक्त आकरे। वैमिनियं प्रवत्सु विकतादिक पूर्वेदत्। अनियं नवनं सिन्धु विकादि विवयोगसः।

শশর্শ উৎতেজসত্ম স্যাদ্রাপণ শুদ্ধ ভাররণ। নৈনিবিকণ দুবস্বস্থু নিত্যভাষিত পূর্বণ । ইন্দ্রিয়ণ নয়নণ সিন্ধু হিমাদি বিষয়োমভঃ।

एएसार इन् एक इस उथाह ता मुन् एक इएनंत नमनीत-कारन इस जाहार नाम एकतः जनन एकतानृति ता ऐक इएनंत नमनीतिकारनका शहार अनत्क्रकतु त्यकत् व्यक्ति गुम्म इस ह इन्युक्तिनातित्व अन्यक्षित्र व्यक्ति स्वादित गुम्म इस ह इन्युक्तिनातित्व अन्यक्षित्र व्यक्ति इस इन्युक्तिन प्रेक्त इन्युक्तिन एक इन्युक्तिन प्रिक्त क्ष्युक्तिन प्रेक्ति इन्युक्तिन प्रेक्ति इन्युक्तिन प्रकार अन्य इन्युक्ति ऐक सूर्य गुरुक्तिन व्यक्ति इस अन्यक्ति इन्युक्तिन प्रकार व्यक्ति इस्य क्ष्योप इन्युक्ति ऐक सूर्य गुरुक्तिन व्यक्ति हम्युक्ति इन्युक्ति स्वादित्व इस इत्यक्ति क्षांन इस स्वादित्व विकार सुक्ति इस स्वादित्व हम्युक्ति स्वादित्व ভাষার পুরাধ অবৈদ্যালিঃ বহিছে সুকালিছে ও সরক্ষমনিপ্রতিতে বে রূপ পাছির রূপে আক্ষ্ম আহে একারণ ভাষার পুরুত্ত হ'ল বা ক্ষিত্র চপুরিরবাহিতে আক্ষামকের মাতাব পুরুত্ত পুরুত্ত হ'ল বা ক্ষিত্র চপুরিরবাহিতে আক্ষামকের মাতাব পুরুত্ত পুরুত্ত হ'লেছে বিশিক্ত বহির সংবাধে বৈনিক্তিক বুব্যক্তর পুরুত্ত হ'লেছে হিছেলে অধ্যানিতে সমবার বর্ষে বৈনিক্তিক বুব্র বাই তথাপি বৈনিক্তিক বুব্র বিশিক্তে বর্ষানা প্রিবীক্ত ভিলাবে মুব্যক্ত ব্যাপ্য আতি ভাষ্প আহি বর্ষণ প্রস্কান ব্যাক্ত বিশ্বতিত ব্যাপ্য আতি ভাষ্প আহি বর্ষণ প্রস্কান ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ্বতার ব্যাক্ত বিশ্বতার বিশ

প্রপঞ্চ দ্রণারির তৈলদত্বে কিপুলাণ ৷ বিভাছা প্রণীধি তৈজনু হয় যে ছেন্ত দুবতু নাপের পুড়িবনুষের **অভা**য়ে অভায়ে বহি সংঘালে ও সুবর্গনির বুরত্ব নাশ হয় বিছঃ পৃথিবীর ও জলের ৰুখতু কিছু অধি সংখ্যাল নাপ্ত হয়। এইণ অংশীর স্থায়ী তেকঃ প্রাথ নিডঃ ও অনিডঃ এই বুই পুরুরে হর ভাহার: মুগুঃ পর-মাধু,বরণ তেজা নিডঃ বুঃপুকারি বরণ তৈজা,অনিচ্যু নেই অনিডঃ তেব। ক্লিব পুকার হয় বেছ টুলুর ও বিষয়। এবং বেমন লণার অংশেনিক দেহ বঞ্চুলোকে পুনিও ভেঁমন ভৈলৰ আলো-নিৰ বেহ বুৰ্ব্যহি বোকে পুলিছ আছে**। এবং নরন তে**জের ইন্দ্রিয় হয় অর্থাৎ নয়নেন্দ্রিয় তৈরস হয় যে হেন্ত পরকীয় স্বৰ্ণাদির ব্যক্ষক না হাইয়া পরকায়ে রপের ব্যক্ষক মুব্য হয়। যেমন পুদীপ পরকীর স্বর্ণাধির ব্যঞ্জ বা হাইয়া পর্কীর রূপের ব্যক্ত পুৰ্য হয়। পুৰীপে ৰক্ষীৰ ৰূপেন ৰঙ্গাল্ভৰ পুষ্ঠা শৃকীয়ানিছি। হয় ভাহার ব্যৱধার পুষম পরস্কৃত্র পদ হ বর্তার ত্রপ্তর ব্যক্ষক পার্থির ঘটানিকৈ ব্যক্তিয়ার বারণার্থ ছিন্তীয় পরস্কীয় পদ। নর্মন-ন্ত্রিক লম্মিকর্মে ব্যক্তিচার বারণার্থ্য দুব্য পদা এবং শূর্বাহি বহি পৰ্যন্ত দৰক,ভেজই অনিউঃভেজের বিষয় হয় 🖟

संह्र निक्षण कविक्टिस्त।

श्रमक्रमित्युक्तक्षीयः स्त्रीम् वर्गम्यसः। तिर्मेनसम्बद्धिः चैवः चर्यस्य विद्यसः। यूर्वेरस्थितासुनं देशस्यस्य निर्मात्यः। यस्यस्यस्य समाराजुपक्षेत्रेः विद्यस्यसः।

অগাক্ষোংকুৰাংশীতঃ স্পৰ্যন্ত গ্ৰবেষতঃ। তিৰ্যাগ্যমনবানেৰ ক্ষেয়ঃ স্প্ৰাধি গিছক:। পূৰ্ববিত্যতামুক্ত দেহব্যাপি দুগিন্ধিয়ে। প্ৰাণাধিত মহাবায়ুগ্ৰ্ডো বিষয়োমতঃ।

বার্ট রূপ অপাকর অনুকাশীত হয়। প্রিটাট রূপস্টতে বিশেষ করিবার নিমিত **র**র্গের অপাক<del>র</del> বিশেষণ ভগাচ বে ৰুৱং অপাকৰ অনুকাশীত রূপের নমবারিকারণ হয় ভাহার বাস ৰাছু এবং ৰায়ুঠ্জি যে জণাজৰ অৰুক্ষাণীত লুপেঁঃ সমৰাজিলাং-পতা ভাৰাৰ অনক্ষেক্ত বানুত্বাভিত পুলাণ হয় ৷ বানুত্ব ব্ৰুড়ের পুমাণ দ্বৰ্গৰূপ কৰের আপুচাতু ই যেই বস্ত কৰাপুত্ৰহয় গে পুৰঃ হয় ক্ষেমন প্রিব্যাদি। বায়ু দুব্য পদার্থ হর বে ছেড ল্লখ বরুপ এগের আপুর হর যেমন স্বর্ধণাপুর বহি। এবং বার্ড গমন কক হয়। এহা অপাক্তে অনুকাশীভদ্ধৰিও পাৰাপালুবাদির কাবে হোৱক বায়ুৱ অনুয়ান হয়। এবং কেজের ন্যায় বায়ু নিত্যও অনিভঃ এই মুই পুঞার হয় ভাহার মধ্যে পরমাণু বরণ বালু বিভঃ বঃশ্কাবি বুরণ বারু অবিভঃ। বেই অবিভঃ বারু ক্টিন পুরুরে বেরু ইন্দুর থাবিষয় । এবং বেমন ভিয়ন,আযোনিৰ বেহ নুৰ্বাদি লোকে পুলিছ তেমৰ বারবীয় কৰোনিস্ব বেহু বারুলোকে পুলিছ আছে ৷ এবং শিশ্বটোলির ক্ষরোনিক্ষ শলীয় ও বারবীর ক্ষানিবা। অবং কুমিন্মির পরীরব্যালি হয় ভবাদ তুর্নিন্মির পুর্ণের ব্যক্তক অর্থাৎ বার্টার খ্রু যে হেতুরুণাবির ব্যক্তক না হটরা লুলেরি: ৰঃশ্বক দুৰঃ হয়। যেনৰ পটায় বছৰীক বলিলেয় পৈডাবা**ৰক** 

नामसम्बद्धाः अन्यस्थाः व्यक्तिः स्टब्स् स्टब्स् नाम्बद्धाः स्टब्स् দ্বনিশ্বির সমিক্ষের ব্যক্তিচার বারণার্থ বুরত্ন পদ হ এবং পুরুৎ আজি থহাৰাতু পৰ্যন্ত সভল থাৰুই আনিভঃ বালুর বি**বর বছ**।

া আ্থাপের মিরুলন করিবেংছেব ।

काराज्ञकतु विशेषः सन्देशविदेशितुद्धः। জাকাশস্যন্ত বিজেয়: **শ**হে। বৈশেবিকো<del>তা</del>:।

পতু আকালৈর বৈশেষিক গুণ হতু ৷ আকাশ <mark>এক হুর অভবৰ</mark> ভবুটবাদির ন্যার মাতি নহে (কছ শংগ্রুর আপুরুত্) যে সুর্য প**র্**রু খাপুর হর চাহার নাম খাকাপ। খাকাপে কিপেব গুণারের ব্যবহেষ্ট্রের নিমিশ্ব গুলেতে বৈলেয়িক বিলেয়ন। আকালের দুব্য-ব্যের পুমান পারু সুরুগ গুলের আপুরত্বী ধারণ মিভ্যমের পুমার স্থাপ প্রাগভাবের অপুভিয়ে।গিড়। আ্রাপের শতীর ও বিবর অবস্তব হর একারণ কেবল ইন্দ্রির দর্শন করাইউছেন ৷

> प्रतियम् भवेत् स्रीचः 'ইন্দ্রিয়ড় ডবেৎ শ্রোব-,

পুৰৰ আভাপের ইপিট অৰ্থাৎ পুৰণেপুৰ আকাৰ্ণ হয় ছে: হেছে পরের আলুর। যেমা যে পরের আপুর হয় না বে আকাপ হয় মা। আকাপ যায়বত। এক হয় পুরে কিছু বাজি। (करू कित्र) भरूबर भूवन कि इर्ग **कार्यान रहे** कि गाउ वहें **१र्ड वर्ड्डिस्ट्र**ा

> रकः सम्रद्धभूपादिनः, এক: সরহপূপাধিতঃ,

ৰণ্ণি আকুল এক হ'ব জ্ঞানি কৰ্ণজুণী পুত্তি উপাৰির **व्याप** चित्रश रूग्र १

का.गत्र विक्रमा केंद्रिस्ट्रहरू ।

**मकार्गा मनवः वस्तिः मनवातानवैः** तकः। मराक्ष्मराम्बीवेतुः,

कन्। त्रानः कनकः कारणा कर्णजामाणुरद्रा मृजः। शहारुशहरूक्षेत्रकुर,

कान सन्।वस्थात्वप्र करक एकः कान निर्वत्य बन्। तस्क অনকৰ দেই কালের নিভাইত্ব পুমাণ হয়। এবংকাল ৰামতের আপুর হর ভধ্যে ইহানীণ বট আহে তহানীণ বট আহে ইড্যাবি পুৰীতিতে যে বয়নে ঘটাদি পুৰার হয় বে দমুনু সংখাগাদি নছে কিছ কাদকটিত কাদিকদুৰত্ব অভন্য দেই দৰ্বু হাদের পুনাৰ ছিত্ৰ। এবং কালপাৰত জানের ও অপরত্বজানের অসাধারণ নিরিভ করিব হয় তথাচ পরস্থাপর্য আনের অসাধারণ নিমিত্র কারণরু আর্থাৎ পরত্বাপরত্বের অব্যবাহিকারণ যে দংযোগবিশেষ ভাছার আপুরুত্বকালের পুলাবছর ই ভালের একরপুরুত্ব কালত আরি নতে। কিছ ক্ষতের আশুচুত্ঃ যে বুব্য কালিক বিশেষ্ট্রকচা সমূদ্রে জগ-তের অংশুর হর তাহার নাম কাল্য মহাকালে কালিকনরতে ল-কৰ বস্তুত আছে এই পুতীভিয় অনুরোধে মহাকালে কালিকসহছে আকাশাবির ও বিদ্যমান্তা গুীকার করা যাকৃ) জন্যবস্তুমাজের কাল উপাধি হয় কিন্তু বিভিন্ন কানীন বস্তু ঘরের কালিক সমূৰে আশার আংখরতার আমানঃ। কালের বুরঃছের পুমাণ পরাপরগ্র बरुण गुल्हा चानुरूप । यनि काम अरु एक उदर कर पक्ष मुद्दु वीहि कर किश्चन नशन रह और त्रूच अस्टिक्ट्न **।** 

> चकादिःसादुवाधिकः, क्ष्मादिःग्राह्भाविजः,

বিবাদি কাল এক চয় তথাপি উপানি ভেবে জন স্পুৰুত্বপুৰুত্ব বিবাদনাক মাল বংলয় তুত ভারিবাদ ও বর্তনাল ইঞ্জাই খ্যবশ্যরের বিজয় হয়। যে কাল বর্তমান খৃথকে পুরিফালী ব্যু, ভাষ্যর নাম খুড়। কেমন গঙাইবেন। যে কাল বর্তমান পুগুড়াবের। পুরিফোগা হয়, ভাষ্যর নাম ভবিষ্যুৎ। বেমন আগালি হিবল । যে কাল বিনট পুগুড়াহের ও ভাবিখুংকর পুরিফালী হয় ভাষ্যি নাম বর্তমান। যেমন অব্য কালের ভূতব্ খুবিষ্যুণ্টর ব্যার, অটপটাগির ও ভূতত্ ভবিষ্যুণ্ডরি ভানিবা।

দিকের নিরুপণ করিবেছেন্দ্র।

দুর্বাধিকাহি ধাইদুইদা দিবা হিন্তুই। দুরাহত্তিকাদি ধীকেতুরেকা নিত্যা দিক্তাতে।

নিজ্ নকানিত্যা এক শুক্তুজানেরও মুদ্রহজানের অসাধানের নিজি কারণ হর তথাত শুক্তুজানেরও মুদ্রহজানের অসাধানের নিজিত্ব কারণত্ব অর্থান্ হর অবাদ্রহজ্ঞানের অসাধানের নিজিত্ব কারণত্ব অর্থান্ হর আশুক্তুজানের আশুক্তুজানের আশুক্তুজানের আশুক্তুজানের অসাধানের অসাধানের অসাধানের অসাধানের অসাধানের অসাধানের অসাধানের অর্থান্ত কারণত্ব অর্থান্ত বিশ্ব করের অসমবাহিকারণ যে সংযোগ বিশেষ ভারার আশুক্তুজ্বিত্রের অসমবাহিকারণ যে সংযোগ বিশেষ ভারার আশুক্তুজ্বিত্রের অসমবাহিকারণ যে সংযোগ বিশেষ ভারার আশুক্তুজ্বিত্রের অসমবাহিকারণ যে সংযোগ বিশেষ ভারার আশুক্তুজ্বিত্র করের শুক্তুজ্বিত্র প্রাণ শুক্তুজ্বিত্র অর্থান্ত আশুক্তুজ্বিত্র করির শুক্তুজ্বিত্র অর্থানির অর্থান্ত আশুক্তুজ্বিত্র করের শুক্তুজানির অর্থানির অর্থানির স্থানির স্

उपाविमेदार्वेकाः विपादा दिवयदेशमान्।

# উপাধিভেদানেকাছপি প্রাচ্যাদিব্যপদেশভাক।

বহুলো দিক একা ক্য় কথালি উপায়ি:তবে পূর্বা পশ্চিমা উত্তরা শ্ব বন্ধিনা ইত্যাদি ব্যৱস্থারের নিময় হয়। যে দিক্ যে কাপেত্র পুরুষের উত্তর থিতির সন্নিহিতা হয় যে দিক্ পেকালে যে পুরুষের नाही इस बक्त व विक् (य कारण व मूहरावत केवल भितित व त्रहिका इस स्म श्रिक्त कारण ता मूहरावत मुखीकी एता। अबर रव विक् रह कारण रह मूहरावत मूहरावत महिद्दिका एक स्म विक् रण मारण स्म मूहरावत केवली एक अवर रव विक् रवकारण स्म मूहरावत मूहरावत स्म वाहक एक स्म अविक् रण कारण राम मूहरावत कारणी एक राम राम महम्म राम केवली महम्म स्म स्म स्म विकास कारण है

আত্রার নিরুপণ করিতেছেন।

जाने दियरय दिखाला,

## আবোন্দ্রিয়াখ্য বিঠাতা,

আন্তানি, ইপিনুই গণের ও পরীরের অর্থিতা অর্থাৎ
কর্মা হরেন। যে বুব্র পুন্ধানির সমনাহিত্যালৈ হয় তাহার নাম
আন্তা । আয়ার বুদ্ধানির সমনাহিত্যালৈ হয় তাহার নাম
আন্তা । আয়ার বুদ্ধানির পুমাণ পুনপুনানি বরণ গুণের
আপুত্র । আয়ার কাতি ইয় যে হেন্ত আয়ানিও যে পুনপুনানির
সমবাহিত্যালৈর ভাহার অবচ্ছেলক হয় । সেই আয়াই নাতি
আন্তার নায়ে বুঁহেতে ও আছে অতনব পাছে ও লোকে বুছকে
পরমান্তা করেন ভবে যে বুক্তেও পুনপুন্ধানির উৎপত্তিনা হয়
ভাহার কারণ পুনসুন্ধানির হেন্ত যে ম্যাধ্রমানি ভাহার অভাব !
মন্প্রিআন্তা আমি স্থা আমিন্থা ইত্যানিমানসপুত্রকের বিষর
অর্থাৎ পরীরানি হইতে ভিন হরেন ভবালি পুনমতঃ নেহান্ত
ভাবি পুন্ধভিতে আন্তা পরীরানি হইতে ভিন্ন এই বোধ কন্তাইবার
নিমিকপুরাণ নাপন কর্মাইতেছেন ।

बरवंदि सपर्वतं,

# করণ•ছি স়কর্তৃক•,

ৰে ছেব্ৰ বংগদঙৰ্ভ হত অৰ্থাই বেসন ছেব্ৰনজিয়ার করণ কুটারাহি সংস্থা ছেব্ৰার অকংবে ছেব্ৰ জিন্তার উৎপত্তি হত বং ক্ষেত্ৰভাৱের করণ ইন্দিই সংস্থা জাতার অভাবে জালের উৎপত্তি হয় না ৷ অভনৰ কুলানাৰি বৰণ করণের কর্বার নগার চক্রাই ই-কুলু বৰণ করণেয় ও এখ আভারিক কর্বা করণঃ কল্পীর হলেন অধ্যা চক্রামি ই কুলের কর্ব্যাশ শরীরাবিহাইতে ভ্রিএক ক্ষামা বিভ হাইলেন। চক্রামি ই ক্রিয়ের পরীরাবিহাইতে কিম্এক কর্বার কল্পনেতি পুরোক্ত পরীর্কেই কর্বারণি এইঞ্যুম বুর ক্রিডেহেব

## ছহাহজ দ খনত্ব অন্য অন্য অন্য অনিকাহন। শরীরস্য ন চৈতন্য- হতেনু ব্যক্তিগর্জঃ।

প্রীর চৈত্রার হিত হয় রে হেও মৃত্পরীরে ট্রতন্যাক্তরেপুশুক ব্যক্তিয়ার বস্তু কথাল কর্ত্তির পুতি ক্লানকারণ অভনব পর্যারের জানাব্যির পুরুক্ত কর্ত্তি নয়ন হয় বা ।

প্রপঞ্জ হিলার হল তেমন লালার মতে মৃতপ্রীরে জানাভাব প্রকৃত্ব বিধিন হল তেমন লালার মত্ত মৃত্যুলার হৈ তেমনা ক্ষিত্র নির্দেশ্য মতে প্রকৃত্ব কালার প্রকৃত্যুলার হল অভনর তোমার দিশের মতে মৃত্যুলালারে পুরালার পুরালার পুরালার প্রাণাভার পুরুল্ভ জানাভাবের কি জারি । বিজার । যদি পরীরের প্রাণাভার পুরুল্ভ জানাভাবে কি জারি । বিজার । যদি পরীরের ইন্ডনার আমারালারে কি জারি । বিজার । যদি পরীরের ইন্ডনার আমের করে বালাক কালে ব্রীবন্ধর যৌরনকালে কুরুর হইন্ডেপারে না যে হেন্ত অব্যানের হালার্থিক পুরালার করি কালার হালার হালার প্রাণাভার বিলাপাহর একারণ বীল্য পারীরেহ ইন্ডনার হালার হালার

নকান বিক্রিভাৰত দুখনন কর্ম ক্রিং। তথাপুষ্পে দিন্দ্রিয়াগামুপয়াতে কর্ম- মৃতিঃ !

যদিচজুরারি ই প্রিয় লংগড়ন ইর তার পূর্বে যে বস্তু যে ই প্রিয়ের থালা ই ইনাংছ পশ্চাৎ হৈবাৎ লেই প্রিয়ের নাপ হাইলে লে বস্তুর্জ অরণ হাইলে পারে না কে হেলা লে বস্তুর পূর্বিভাবক ই প্রিরের লভাব লাহো একের অনুভূত বস্তুর অরণ অন্যের ছাইভেপারে না যে যে অনুভূব ও লারেশ্ব নামানাধিকরলে। কার্য্য কারণ ভাব আর্থাৎ পূর্বে যে বস্তু বংকত্তি অনুভূত হয় পভাং লেইবস্তু ওংকত্ত পূত্র হয় এইবল কার্য্য কারণ ভাব। এতারভা চল্লুবানি ই প্রিরের তাইলি কার্যাভাব সিদ্ধার্য হাইলি ই প্রিরের তাইলি বা আর্থা কর্মানি ই প্রিরের তাইলি বা আর্থা কর্মানি ই প্রিরের কর্মান বা আর্থা কর্মানি ই প্রিরের কর্মান বা আর্থা ক্রিয়ের নির্মিত ক্রিয়ের নির্মিয়ের নির্মিত ক্রিয়ের নির্মিত ক্রিয়ের নির্মিত ক্রিয়ের নির্মিত ক

সনীবাদি ৰ নথা ছাৰাখ্যনখন্ত নহা মাৰন । মানোছপি ন তথা জ্ঞানাম্ছনমুক্ষণ তথা তবেং ।

মনের ও টিকন্য নাই যার মনের চৈডন্য থাকে কবে জানাছিত্র পুরুষ্ট ক্ষিত্র পারেনা বে ছেরামনপ্রমাণু বরুপ ক্র ক্ষতন্ত্র মনে- ত পুতরক্ষর কারণ যে সহস্কাহার অভাব পুরুক্ত মনের অধীপূর্ব হেওক মনত জানাতি ও অভীজুর হয় যেনন্-পূত্রকার
কারন উল্বেরপের অভাব পুরুক্ত পিশাহানির অভীজুরত হৈছক
পিশালান ব্রিপনার্থ ও অভীজুর হয় । ওভাবভা মনের ও তৈতন্যাভাব পুরুক্ত কর্মাভাব নিছ হইল ১ এই সমূরর বাক্তরে
ভাৎপর্যার্থ এই যে অবিয়েয়া পরীরাধি হইতে ভিরু হৈতন্য বিশিউ ও ইপ্রিয়ানির কর্মা। বাদি আত্মা অভীজুর হবেন ববে মনের
ন্যার আত্ম ব্যি জানানি ও অভীজুর হয় অভনব আলার পুরুক্ত
বিষয়ত্ব শহাপন কভিতেহেন।

वर्मा वर्मा क्योरक्येत्रकार दिहेवगुरुवामा । धर्मा २१व्या पुरश्चे २१८का वित्यवस्थात्वागर्जः ।

জ্ঞানাধ সুৰুপ বিশেষ গুলের সম্বন্ধ হৈছক বর্ম ও আহর্মের অপুর যে নামা তেঁহপুত;ক ক্রির হরেন অর্থাৎ মান্দারু পুত;-ক্ষেই পুতি বিশেষ গুণের বছৰু কারণ হয়ে ! বিশেষ গুণের**এছলু মু** চক্তি-রকে আন্নার পুত্রুক্ত হঁর না যে হেস্ত আমি জাত্যু কামি কর্মা আর্মি ৰুখী আমি দুখিী ইড্যাই পুজার পুড়ীডিই হয় কিছ কেবল আমি এ পুকার পুড়ীতি হর্ম । যদি শরীর ধর্মায়ের আশুর বর ভবে। ক্ষতি স্তি পুমাৰু নিছ যে পরীরায়রে কৃত কর্মের প**ী**রাহরে কল ভোগ ভাষ্য **অনন্তব হয় যে হেন্ত প**রীর সুরুপ আপুরের নাপে ধর্মাধর্ম বরণ আপ্রিতের নাপ হয়। এবং বদি পরমারা ধর্ম*ধরে*র আপুর হয়েন তবে তাঁহীতে ও লনঃ সুধ কুরোরির উৎপঞ্জি হাইতে नारत किंदु बोराखा श्रेषांश्रार्थत चानुह एकेल न स्वयं क्य या বে হেক নাবের নিত্তর পুরুক্ত পরীরায়রে ও ধর্মাধর্মের নাপ হর লো। অভিস্থিত বস্তুর সাজাসালে সুধ সুঁহেওঁর উৎপঞ্জি रवजन जीरायाह जनः गूँधः पृथ्यं दिखामाचार । मुक्तेत्र दुराहः আন্নাতে পুত্ৰকে পুনাৰ হৰ্ণৰ করাইয়া পরকার নেহৈ কর্মান पुशान एकी कहारहें इस ।

#### त्रवृत्ताचा नुसेवेदन, शुक्ताचा क्ष्यूरम्दन्ना एडः

পরকার বেছে পুষ্বি আদি হৈছত এই আখার অনুমান হয় পাণীরে অনুধরি জ্ভাব পুষ্কা এখানে পুব্রি পারু চেইটা ইবছ গ্লিক বল্লার বিশেষের নাম চেটা ভবাত চেটা কোন ব্যক্তির হতু সাগাই হয় অভএব চেটা হেছক যুকু বিশিষ্ট আভার অনুমান হয় এইভাব হৈটারস্পনি কলাইভেছেন,

> হয় মন্দর্শ লাহয়ি:, পুথ গড়ের সার্বিঃ

যেমা রখের গমন হেখাক নারখির অনুমান হয়। যদ পি রখের কথা কৈটা হয় না তথাপি যেমন গমন পুরপ কথাছিতক রখে লারখির অনুমান হয় তেমন কেইটাকুল্য কথাছেত্ব পরতীয় ছে-ছে যতু বিশ্বিট আছার অনুমান হয়। তথাছ এ ছানে চেটা হেছ নছে কিছু কথা পেই কথা দুটান্ত ছলে গমন নুরপ এবং খাটান্ত ছলে চেটা সূত্রপ হয় আছার দ্টান্তানিত্বি গৈলেইয়ে না এই ভাব। এই ছলিয়ের খালা পরীরের রখ পুরপান এবং আলার নারখি বরণক্ত প্রতাম কলিয়াছেন।

खन्न हा क्या <del>कारी १६४ अने आक्रा कर</del>ी १<del>५४३</del>३

#### অহকারস্যাশুরোহয়- মনোমাত্রস্য গোচরঃ ৷

এটা আছা অহছ।রের আপুর কর্মাৎ, অহণ এই পুরার পুরী-ভির বিষয় হরেন। পরীর অইছারের আপুর হয় না যে হেজ পুর পরীরের নাপ হইলেও বেট আনি এই পুরার অনুভর হইতেহে। এবং এই আলা মনোমারের গেচের কর্মাৎ চকুবারি বহিটি পুর কন্য পুত্যকের বিষয় হরেন লা কিছু মান্য পুত্যকের। বিষয় হরেন যে হেজ বহিতিপুর কন্য পুত্রকে এপাতি কারণ। হয়। আজ্যর যে পুরোক বিত্য ও বৃহন্দি সম্পাদি ওলাগরও ভাষা রাট করিবার নিমিত কহিংভাছন !

> विभुक्तादि गुबरान् विभूक्षाहि सम्बान्

वह जाका दिलु वदः नृद्धांक द्वापि हवनन गृह्धः जानुस इत्तरा

সমূতি পুগল সহতি ক্লমে বৃদ্ধি কত পুকার হয় ও।হা বর্ণন কলাইতেহেন।

बुद्धिन्तु विविधा, सताः

श्रानुभूतिः स्पृतिचयादश्रुभृतिचतुर्भिषुः । प्रवद्यस्थ्यस्तुरितिः स्वयोगस्तिते प्राव्यत्रे ।

বুৰিত্ নিবিধা মতা, অনুভূতি কৃতি কঠা দংনুভূতি কতুৰিধা। প্ৰত্যক্ষ ২প্যংনুমিতি তথোপমিতি শায়ৰে।

বুদ্ধ দুই পুনার হয় অনুভব ও অরণ। সেই অনুভব চারি
পুনার পুড়াক অনুমিতি উপনিতিও পারু। এই পুড়াকারি অনুভব
চরউরের করণ যে পুড়াক অনুমান উপমান ও পারু ভাহার নাম
পুলাণ। চকুরাহি ইন্দির কুরণক বে অনুভব ভাহার নাম পুড়াক।
কেই পুড়াকের করণ রে চকুরাবি ইন্দির ভাহার নাম অনুমিতি।
কেই পুড়াকের করণ রে চকুরাবি ইন্দির ভাহার নাম অনুমিতি।
কেই পুনাগার করণক যে অনুভব ভাহার নাম অনুমিতি।
কেই কুরন্থিতির করন যে বালি আন ভাহার নাম অনুমান পুনাগা
লাক্সা জান করণক যে অনুভব ভাহার নাম উপনিতি। কেই উল্পিনিডির করন যে বাল্কার আন ভাহার নাম উপনিতি। কেই উল্পিনিডির করন যে বাল্কার আন ভাহার নাম উপনিতি। কেই উল্পিনিডির করন যে বাল্কার আন ভাহার নাম উপনিতি । কেই উল্পিনিডির করন যে বাল্কার আন ভাহার নাম বাল্কার করন যে বাল্কার করন যে বাল্কার করন যে বাল্কার করন যে বাল্কার নাম পারু। কেই পারের করন যে

পদ আৰু ভাছার নাম পৰু পমাৰ 1 করব ও ব্যান্তির সঞ্চৰ পশ্চাৎ अव्दिन्।

,र्नुठाक कृत शुकात इस ठाइ। वरिएक्टाइन I वास्त्रादि प्रभेदेन प्रवद्धं वर्ष्ट्रधं मर्त । ব্ৰাণনাধি প্ৰভেদেন প্ৰত্যক্ষণ বহিষ্ণ মতং।

(नरे गुड़ाक बानव चानि वाशकात इत गुकात इस) चुनिक রাসন পাবন চাক্ত ভাচ ও মানস ৷ নাসিকা অন্য পুভঃক্ষের নাম मुलक । किया बन्ध शुरुहक्कर नाम हानन । कर्न बन्ध शुरुहक्कर নাম পুৰেৰ। চন্দুৰ্ভন্য পুত্যক্ষের নাম চান্দ্ৰ। চর্ম কন্য পুত্যক্ষের নীয় হু।চ । মনো জন্য পুতঃক্ষের নাম মানদু । কোন্পানার্থ,কোন্ रिभूत्वव विश्वव रव कारा कृष्टिकार्ग । सामग्री गोपरीम्था गत्मनादिराणि जुनः।

तथा रसीरसम्राधाकाचा हन्देशिय कुतेः।

ফ্রাণন্ড গোচরোগনো গরুৱাবির্কুণি মৃতঃ। তথা রসোরসজ্ঞায়াতথা শহ্নেহণিচ শ্রুতে:।

গ্ৰহ ও গ্ৰহতাৰি লুগের গ্ৰাহ্য হয়। আৰি পৰে সুংভিছ ও অপুর্তিভাবি ৷ রব ও রক্তুটি রবলরে গ্রাহ্র হয় ৷ আবি খংবু সন্মতাদি । পরু ও পরুদানি পুরণের গু:হ্য হয় । আদি পরে বর্ণজু র্থ ধুনিস্থান। গড়ানির পুড়াক্লে গছবৃদ্ধি গছস্থানির ও পুড়াক্ল ৰ্থ গছাৰিত আশুতেত পুত্ৰজ হত না বে ছেৰ ভাহাতে পুণোহিত নছম্ব লাকে না কিছ সুগোধির গুঁহে) গলায়ি ছেকে গলাদির আপু-रका सन्धान एक।

जङ्गस्य नवमस्य मेश्वरेर, नचावि तदन्ति एमझसंस्रे । विमान संधानपराध्यरत चेच् वेक्त परिनामनुष्ट। जिला गार्वि वेरणहर्ति समबायन तरिर्ध । अक्राति चलुः प्रवेत्वादाबीबीकृतक्ववी। ।

উক্তরপ-বর্নস্পোচরোবুব্যাণিতহতিপ্থক্স-খ্যে বিভাগ স-বোগপরাহপরত্ব বেছ হুবত্ব-পরিমাণযুক্ত। ক্রিয়া- জাতি- বোগ্যবৃত্তি- সমবার্থ তাতৃশ-। গৃহাতি চকু: স-বোগাবালোকোক্তৃরপয়ো:।

উভূত রল প্রাত্ত্বাহির সহিত সঞ্গুর্নাছঃ হর। উভূত পর্বের ভাৎ-পৰ্য্যাৰ পুত্ৰক্ষ যোগ্য। পূৰ্ফোক গানুগৰি ও উচ্চ কানিবা যে ছেভ পাৰাণাদির গঁবাদি ছাণাদির প্রাহঃক্রনা। এবং উভূত্ব রূপ বিশিক্ট যুব্য পুত্যক্ষ ৰোগ্য ব্যক্তিৰূদ্ধি পৃষক্ষ কথায় বিভাগ কৰোগ পয়কু অপরত্ব ক্ষেত্রত্ব পরিমাণ ক্রিয়া রাতি ও সমবাদ ইছারা বুরাবা-বির বহিত আলোক ওউজুত রপের সহঁছে চক্রু(২ে) হর, তথাচ চাক্ষ পুতঃক্ষের পুরি আলোক সংযোগ ও উত্তরণ কার্ম হয় ভাষার মধ্যে উভূত রপের সৌক্রিক হাঁছ্ব প্তরেম্বর পুতি কেবল আলোক লংবোগৰাপুথ নমবায় নছতে কাৰণ এক বুৰেনুত্ৰ কৌজিক মানুৰ পুতঃক্ষেত্ৰ পুতি-আপোৰ সংযোগ ও উচ্চত্ৰণ সীমৰার সম্বাদ্ধ কারণক্রের এবংশুবের সময়েও যে পৃথক্ষপথ্য ও বিভাগা-নি ভাহারদিগের গৌষিক চাঁকুর পুস্তাক্ষেরপুতি আদেকি লংগোগ ও উত্তরণ বাপুর সমবার বরণ পরস্করা সহয়ে করেও হয়। এবং ৰুবেঃ নমবেড যেঁ ৰুণাবি ভাহাতে সমবেৰ যে ৰূপস্থানি ভাহাৰুদ্দি-গের পৌকিক দাসুৰ পুত্যকের পুতি আলোক নগরোর ও উচ্চরুল ৰাপুর সমবের সমবাদ্ধ পুরুপ পরমুরা সমূছে কারণ হয়। अ হারে नमरोह भवु जैनेनक्त द्वाज वहीक्ष्मुवर वृष्टि नमरोह कु वकारवह লৌভিত চাজুৰ পুত্ৰকের পুতি জীলোক সংবাদ ও উদ্ভূত ক্ল ব্যাপ্তর বিশেষণভাবুরণ পরস্করা ব্যুক্ত ভারণ হয়ং এই রীভিজ-त्म नुवा नगरवस्त्र प्रभावि वृद्धि नप्रवाद **७ चकारवर भुस**ास कार्य। সারণ ভাব জানিবাঃ খ্রীত্ম উল্ল ও পির্যাচারির উচ্চ রপভিার পূৰ্ক চাক্ৰ পুৰুকে হয় না হ

उद्गुतक सेनद्वयं जीवरः सीर्शययं नकः। कर्या व्यवस्तुवेशीरायं क्यमश्रक्ताः विकार्यः। वया व्यवस्थिते विशेषीरी अवसा जानवार्यः।

উজ্তশার্শব্দুব্য গোচরঃ সোহপিচ হৃচঃ ।
কুপাহ্ন্যচ্চকুবোযোগ্য কপমত্রাহ্শি কারণ ।
দুব্যাহ্ধ্যকে সুচোযোগ্যে মুনসা জ্ঞানকারণ ।

উষ্ঠ লপ্ৰিশিক শ্ৰ, ও উত্তরণ দুখ, অংশির সহিত অফের প্রাহ্য ছয়। নিশ। চাঁদির রূপে উক্তর্যাভাব পুরুক্ত এবং শিশাচাহিতে উক্ত ল্পাভাব পুষ্প লাহার আছ পুড:জ হর না এক লপু ভিল ওলণ-पार्वि विज्ञ म्ब्युम्हि। त्यर वेब कामाता प्रांशिन्ततत च पुर्वि एक অভনত প্ৰজু ক্ল'বলৈ ও কিন্তালাদি যেৎ চহুৰ্দুছে; গুল এবং জিলা ও ভাতি ভাষারা ও বাগিলিবের গ্রাহ্য হয়। এবং দুব্যের বাগিলিব सर् अनुष्ठ (रक्ष धेत्रणे काइन धेर्म (शृहर ) इं दिहि स्मृत सर्व अनुष्ठ एक क्रम कांद्रमे 'क्या । अ कांध्य नवा देनहाशितका विशाह आहे अस्त । ৰহিটিশ্টি অন্ত হুৱঃ পুডঃকে পুমাণাভাব পুডুক কণ কারণ নহে বিশ্বপুরের চাল্র পুত্যকে রণ কারণ এবং স্বাচপুত্যক উভূত দ্রশ ভারণ যে হেও এপ ও দ্রশের বিদ্যমানতা ও অবিদ্য-মানভাতে বুবেরে চাকুৰ ও ভূচি পুতঃক্ষের উৎপরি ও অনুধ-পত্তি বেৰিডেছি ৷ অভনৰ ৰাজু আহিত রপাভাৰ পুৰুক্ত চাক্র পুড;ক এবং আকাশাদির রুপাভাব পুর্ক ভাচ भुक क हर ना किंद्र व है। चार भुक के हर ता रहत् र हत हर्न করিতেছি এই পুড়াভি হইতেন্। এবং বহিরিন্দুর জনঃ দুবঃ পুত)ক্ষেত্ৰ পুতি আন্তাতে ও আকাশে অকৃদ্ধি যে বিশেষ গুণ্দেই কারণ হয় অভথব কাল ও নিকের বিশেব গুণাকার পুদ্ধক এবং আলা ও মাজানের ভার্ণ বিশেষ গুণ্ডভার পুরুক্ত বহিরিপ্রিক জন্য পুড়াঞ্জ হয় না কিন্দ্র পৃথিব্যাদি ভক্তের প্রস্কাধি বরুপ বিশেষ